भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्

ICHR

# वार्षिक विवरण

1978-79

# I

## भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद

# वार्षिक रिपोर्ट, १९७८-७९

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद की यह वर्ष १९७८-७९ के लिए सातवीं वार्षिक रिपोर्ट है

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद की स्थापना भारत सरकार द्वारा सन् १९७२ में एक स्वायत्त संगठन के रूप में की गई थी जिसमें २७ सदस्य हैं: १ अध्यक्ष, १८ इतिहासकार और ८ पदेन सदस्य। आलोच्य अवधि के दौरान तीसरी परिषद का कार्यकाल समाप्त हो चुका और भारत सरकार द्वारा चौथी परिषद का गठन किया गया।

३१ मार्च १९७९ तक की स्थिति के अनुसार परिषद का गठन परिशिष्ट-I में दिया गया है।

# II

आलोच्य वर्ष के दौरान परिषद को भारत सरकार से कुल ३०,४३,९३९ रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ। वर्ष १९७८-७९ के लिए योजनेतर और योजनागत कार्यक्रमों के वास्ते संशोधित बजट प्राक्कलनों के अन्तर्गत, परिषद ने क्रमश: ६.८ लाख रुपये और २३.५१ लाख रुपये की माँग तैयार की थी। तथापि, योजनेतर और योजनागत के अधीन केवल क्रमश: ५.८६ लाख रुपये और २० लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई। वर्ष १९७६-७७ से पिछले तीन वर्षों के दौरान प्राप्त अनुदानों के संबंध में ब्यौरा नीचे दिया गया है।

| १ | २ | ३ | ४ | ५ |
|---|---|---|---|---|
| वर्ष | योजनेतर के लिए प्राप्त अनुदान | योजनागत के लिए प्राप्त अनुदात | विशेष परियोजनाओं के लिए प्राप्त अनुदान | कालम २,३ और ४, का योग |
| | रु० | रु० | रु० | रु० |
| १९७६-७७ | ५,१७,००० | २०,००,००० | ८,६९,०६७ | ३३,८६,०६७ |
| १९७७-७८ | ५,४१,००० | २०,००,००० | ८,००,००० | ३३,४१,००० |
| १९७८-७९ | ५,८७,००० | २०,००,००० | ४,५७,९३९ | ३०,४३,९३९ |

तालिका को देखने से पता चलता है कि यद्यपि योजनेतर के अधीन अनुदान की राशि में धीरे-धीरे वृद्धि हुई है तथापि योजनागत के अधीन सरकार प्रत्येक वर्ष २० लाख रुपये की राशि ही स्वीकृत करती रही है। जहाँ तक परियोजनाओं का संबंध है, अनुदान की राशि में कमी मुख्यत: सरकार द्वारा सितम्बर १९७८ में और अनुवाद कार्य रोक देने के संबंध में लिए गए निर्णय के कारण हुई है। इसके परिणामस्वरूप अनुवादकों और निरीक्षकों को अदायगी के रूप में किए गए वायदों को परिषद द्वारा पूरा नहीं किया जा सका।

## III

## सहायक-अनुदान की योजनाओं के कार्यान्वयन में समितियों के कामकाज के संबंध में रिपोर्ट

जैसा कि पिछले वर्षों की रिपोर्ट में बताया गया है, परिषद का एक प्रमुख उद्देश्य अपनी सहायक-अनुदान की योजनाओं के माध्यम से इतिहास के संबंध में अनुसंधानों को प्रोत्साहित करना है जिनमें शामिल हैं: (i) अनुसंधान परियोजनाओं की स्वीकृति, (ii) अनुसंधान फैलोशिप प्रदान करना, (iii) अध्ययन यात्रा/फुटकर/खर्च के लिए सहायता प्रदान करना, (iv) अनुसंधान अध्ययनों, स्रोत सामग्रियों, पत्रिकाओं इत्यादि के प्रकाशन के लिए सहायता देना और (v) इतिहासकारों के व्यावसायिक संगठनों को सहायता स्वीकृत करना।

आलोच्य वर्ष के शुरू में, अनुसंधान परियोजनाओं, फैलोशिपों और अध्ययन/यात्रा/फुटकर अनुदानों के संबंध में ८२ प्रस्ताव निर्णय के लिए बकाया पड़े थे। वर्ष के दौरान ३२२ प्रस्ताव प्राप्त हुए, इस प्रकार वर्ष के दौरान विचार किए जाने के लिए प्रस्तावों की कुल संख्या ४०४ हो गई। इनमें से १६८ स्वीकृत किए गए और बाकी को या तो अस्वीकार कर दिया गया अथवा इन्हें अध्येताओं द्वारा पात्रता के लिए आवश्यकता को पूरा किए जाने तक की अवधि के लिए स्थगित कर दिया गया। कुछेक प्रस्ताव विशेषज्ञ राय प्राप्त न होने के कारण बकाया पड़े थे और उनके संबंध में वर्ष के अन्त तक कार्रवाई की जा रही थी। वर्ष के दौरान स्वीकृत प्रस्तावों को तीन विभिन्न योजनाओं के अधीन वर्गीकृत किया गया है और उनकी सूची परिशिष्ट II, III और IV में दी गई है। क्योंकि ४४३ प्रस्ताव पहले (१९७२—७८ के दौरान) स्वीकृत किए जा चुके हैं इसलिए १९७८-७९ के अन्त तक स्वीकृत प्रस्तावों की कुल संख्या ६११ हो गई। पिछले वर्षों के दौरान स्वीकृत प्रस्तावों का योजनावार ब्यौरा नीचे दिया गया है :

| वर्ष | अनुसंधान परियोजनाएँ | फैलोशिप | अध्ययन/यात्रा/ फुटकर अनुदान | कालम २,३ और ४ का जोड़ |
|---|---|---|---|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ |
| १६७२-७३ | १६ | ८ | १ | २८ |
| १६७३-७४ | ८ | ११ | २ | २१ |
| १६७४-७५ | ७ | १४ | ३ | २४ |
| १६७५-७६ | १८ | १२ | १५ | ४५ |
| १६७६-७७ | २१ | ३७ | ८२ | १४० |
| १६७७-७८ | ५ | २१ | १५६ | १८५ |
| १६७८-७६ | २२ | ३१ | ११५ | १६८ |

ऊपर दिए गए सांख्यिकीय विवरण से पता चलता है कि वर्ष के दौरान स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। यद्यपि पिछले वर्ष के दौरान केवल ५ अनुसंधान परियोजनाएं स्वीकृत की गई थी, तथापि, आलोच्य वर्ष के दौरान २२ परियोजनाएँ स्वीकृत की गई। इसी प्रकार आलोच्य वर्ष में स्वीकृत फैलोशिपों की संख्या ३१ हो गई जबकि पिछले वर्ष यह संख्या २१ थी।

पिछले वर्षों के दौरान स्वीकृत निम्नलिखित तीन परियोजनाओं के संबंध में अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हुई :

(i) प्रोफेसर ए०एम० शास्त्री द्वारा "कोसम्बी के मगहों के लगभग ३००० सिक्कों का अध्ययन"

(ii) श्री एम० आर० गंगोपाध्याय द्वारा "भारतीय परमाणुवाद की स्रोत सामग्री"

(iii) डा० आई० के० शर्मा द्वारा "सतवाहन साम्राज्य की सिक्का-ढलाई"

वर्ष के दौरान, शोध निबंधों / पाण्डुलिपियों / शोध पत्रिकाओं / कार्यवाहियों के प्रकाशन के लिए २० अध्येताओं/संस्थाओं को आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई। इनमें से एक को सहायता की यह शर्त थी कि उसका पुनरीक्षण किया जाए। इनकी एक सूची परिशिष्ट V में दी गई है।

वर्ष के दौरान इतिहासकारों के १४ अकादमिक संगठनों को अनुदान दिए गए ताकि वे सेमिनार, संगोष्ठियां, सम्मेलन, काँग्रेस आदि आयोजित कर सकें। इनका ब्यौरा परिशिष्ट VI में दिया गया है।

## IV

## स्रोतों का संकलन

ऐतिहासिक अनुसंधान को सुकर बनाने के लिए स्रोत सामग्री के संकलन और प्रकाशन के अपने उद्देश्य के अनुसार परिषद ने इस प्रयोजन के लिए १६७२ में एक विस्तृत कार्यक्रम शुरू किया था। इसके अन्तर्गत भारतीय इतिहास के प्राचीन मध्ययुगीन और आधुनिक काल से संबंधित खण्डों की शृंखलाओं का संकलन शामिल है।

प्राचीन और प्रारम्भिक मध्ययुगीन कालों से संबंधित खण्डों के संकलन के लिए परिषद मुख्यत:पुरालेखशास्त्र पर निर्भर कर रही है। शिलालेखों के तीन खण्डों, शिलालेखों की स्थलाकृतिक सूची के पाँच खण्डों और विजयनगर शिलालेखों की सूची के चार खण्डों की प्राप्तियों की पहले ही रिपोर्ट दी गई है। वर्ष के दौरान निम्नलिखित प्राप्त हुए:

(१) डा० के० के० थपलियाल द्वारा संकलित "कन्नौज के यसोवर्धन, मोखरियों, वरधनों और लोटेर गुप्तों के शिलालेख"

(२) प्रोफेसर आर० सुब्रह्मण्यम द्वारा संकलित "गजपतियों के शिलालेख"

(३) प्रोफेसर टी०वी० महालिंगम द्वारा तैयार की गई "तमिलनाडु और केरल के शिलालेखों की स्थलाकृतिक सूची" (खण्ड—६)

मध्ययुगीन स्रोतों के संकलन के परिषद के कार्यक्रम में पाठों के समालोचनात्मक संस्करण और टिप्पणियाँ तैयार करना, महत्वपूर्ण रचनाओं का अंग्रेजी अथवा हिन्दी में अनुवाद, ऐतिहासिक महत्व के प्रलेखों का कलेन्डर और सूची पत्र तैयार करना, चुने हुए प्रलेखों इत्यादि का संकलन शामिल है। वर्ष के दौरान निम्नलिखित स्रोत खण्ड संकलित और प्राप्त हुए :

(१) श्री शाहब सरमदी द्वारा सम्पादित "लहजत-ए–सिकन्दर शाही"

(२) डा० रघुवीर सिंह द्वारा सम्पादित "जालोर परगना रिवीधाट"

(३) डा० वी०एस० भार्गव द्वारा तैयार किया गया "उनिआरा और पिसंगन के ठिकानों के ऐतिहासिक अभिलेखों का एक वर्ण-नात्मक सूचीपत्र और कलेण्डर"

(४) डा० नईम अहमद द्वारा सम्पादित "मिर्जी संगीन बेग की सायर उल-मंजिल"

आधुनिक काल से संबंधित स्रोत खण्डों में, राष्ट्रवादी आन्दोलन, सांख्यिकी आँकड़े, बिहार के जमींदारी अभिलेख, स्वतन्त्रता के लिए भारत के संग्राम में विदेशों में क्रांतिकारियों की भूमिका इत्यादि शामिल हैं। प्राप्त खण्डों के संबंध में ब्यौरे पिछले वर्षों की रिपोर्टों में दिए जा चुके हैं। आलोच्य वर्ष के दौरान, इस कार्यक्रम में अन्य खण्डों के संकलन का कार्य चल रहा था।

## V

## अन्य कार्यक्रम तथा कार्यकलाप

वर्ष के दौरान अन्य महत्त्वपूर्ण कार्यक्रमों और कार्यकलापों में से कुछ का ब्यौरा इस प्रकार है :

### सर्वेक्षण कार्यक्रम

यह कार्यक्रम सन् १९७२ में शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य इतिहास के विषय से संबंधित २६ विषयों पर सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार करना था। वर्ष १९७७-७८ के अन्त तक, सर्वेक्षण रिपोर्ट के संशोधित संस्करण के अलावा ९ पाण्डुलिपियाँ प्राप्त हुई (जिनमें से तीन प्रकाशित की गई और शेष का जाँच/प्रकाशन कार्य चल रहा था)। पहले प्राप्त संशोधित सर्वेक्षण रिपोर्ट (डा० कयामुद्दीन अहमद द्वारा "मुगल प्रशासन)" के प्रकाशन और शेष सर्वेक्षण की तैयारी को तेज करने के लिए कार्रवाई की जा रही थी।

### उत्तर स्नातक छात्रों के लिए स्रोतों का चयन

प्रारम्भिक काल से ए०डी० ३३० तक की अवधि के लिए उपरोक्त से संबंधित प्रथम खण्ड के संकलन कार्य के संबंध में जिसे सन् १९७७-७८ में डा० डी०एन० झा और डा० बी०डी० चट्टोपाध्याय को सौंपा गया था, उस वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट में उल्लेख किया जा चुका है। भा०इ०अ०प० की साधारण परिषद ने १० नवम्बर १९७८ को हुई अपनी बैठक में यह नोट किया कि इस कार्य को पहले परिषद् द्वारा सन् १९७३ में अनेक अध्येताओं को सौंपा गया था

और उपरोक्त दो अध्येताओं को इस कार्य को पुनः सौंपना अनावश्यक तथा अनियमित था फलस्वरूप यह तय किया गया कि अनुसंधान परियोजना समिति को इस परियोजना में हुई प्रगति का मूल्यांकन करना चाहिए और फिर से इस पूरे मामले में निर्णय लेना चाहिए। इस निर्णय के अनुसार यह मामला अनुसंधान परियोजना समितिके सम्मुख प्रस्तुत किया गया जिसने इस परियोजना को तुरन्त रद्द करने का निर्णय किया। इसने परिषद से यह भी कहा कि वह दोनों अध्येताओं से अनुरोध करें कि वे एकत्र की गई सामग्री को प्रस्तुत करके उसका प्रोफेसर लल्लन जी गोपाल तथा प्रोफेसर के०डी० बाजपेयी द्वारा मूल्यांकन कराएँ। इस निर्णय के अनुसार परियोजना को स्थगित कर दिया गया और अनुदान की कोई और किस्त स्वीकृत नहीं की गई।

### भारतीय पुरातत्व के कोष के संबंध में परियोजना

इस परियोजना के उद्देश्य, इसकी योजना तथा १९७७-७८ तक हुई प्रगति के बारे में पिछले रिपोर्ट में बताया गया है। आलोच्य अवधि के दौरान और प्रगति हुई परन्तु कार्य की मात्रा तथा संकलित की जाने वाली सामग्री के विशाल स्वरूप को देखते हुए, ३१ जनवरी १९७९ की निर्धारित तिथि के बाद कुछ महीने और बढ़ाने की मंजूरी दी गई। वर्ष के अन्त में आशा थी कि परियोजना अगस्त १९७९ तक पूरी हो जाएगी।

## VI

## भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद द्वारा चलाई जा रही कुछ विशेष परियोजनाएँ

परिषद ने कुछ विशेष परियोजनाएँ पूरा करने का दायित्व संभाला है, इनके संबंध में तथा वर्ष के दौरान हुई प्रगति के संबंध में विवरण नीचे दिया जा रहा है :

### १. इतिहास में प्रमुख (कोर) पुस्तकों का प्रकाशन (अनुवाद परियोजना)

सन् १९७२ में भारत सरकार ने इतिहास के संबंध में भारतीय विद्या भवन शृंखला का १२ प्रादेशिक भाषाओं में अनुवाद करने से संबंधित परियोजना के कार्यान्वयन का कार्य परिषद को स्थानान्तरित कर दिया, जो पहले राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत को सौंपी गई थी। परिषद से विशिष्ट रूप से यह कहा गया कि वह इस बात की जांच करे कि क्या पुस्तकें भारतीय भाषाओं

में अनुवाद के लिए उपयुक्त हैं और यदि नहीं तो वह अनुवाद के लिए इतिहास में लिखी कुछ अन्य पुस्तकें चुन सकती हैं। परिषद की राय थी कि खण्ड–IV के बाद की श्रृंखला अनुवाद के लिए उपयुक्त नहीं है। इसलिए इसने इतिहास की ९५ चुनी हुई पुस्तकों (बाद में कम करके ८६ कर दी गई) का क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करने, भारत के इतिहास के छः खण्ड तैयार और प्रकाशित करने तथा उनका सभी प्रादेशिक भाषाओं में अनुवाद करने तथा प्राचीन, मध्ययुगीन और आधुनिक कालों से संबंधित अनेक स्रोत खण्डों को तैयार, अनूदित व प्रकाशित करने का भी निर्णय किया। यद्यपि परिषद द्वारा परियोजना के लिए प्राक्कलन सन् १९७२ में भेजे गये थे, तथापि सरकार ने परियोजना के संबंध में कोई अनौपचारिक अनुमति नहीं दी, बल्कि तदर्थ आधार पर अनुदान देना शुरू कर दिया। सितम्बर, १९७८ में भारत सरकार ने और अनुवाद कार्य रोक देने का निर्णय किया और पूरी हो चुकी पाण्डुलिपियों को केवल रायल्टी के आधार पर प्रकाशित करने के संबंध में कुछ मार्गदर्शी रूपरेखाएँ जारी की। वर्ष १९७७-७८ के अन्त तक परिषद को १२ भाषाओं में २६२ पाण्डुलिपियाँ प्राप्त हुई, जैसा कि पिछले वर्ष बताया गया था। आलोच्य वर्ष के दौरान २५ और पाण्डुलिपियाँ प्राप्त हुई। वर्ष के दौरान प्रकाशित पाण्डुलिपियों के संबंध में ब्यौरे नीचे अनुच्छेद–IX में दिए गए हैं। अनुवादकों और निरीक्षकों के संबंध में कुछ देनदारियों को अभी परिषद द्वारा पूरा किया जाना है। आशा है कि सरकार इस प्रयोजन के लिए शीघ्र ही परिषद को नीधि प्रदान करेगी।

### २. भारतीय इतिहास और संस्कृति की स्रोत पुस्तक

भारतीय इतिहास और संस्कृति के संबंध में एक स्रोत पुस्तक तैयार करने के लिए यह परियोजना भा.इ.अ.प. द्वारा सन् १९७३ में प्रोफेसर निहार रंजन रे के निर्देशन में शुरू की गई। इसका उद्देश्य, इतिहास के तीन काल- प्राचीन, मध्ययुगीन और आधुनिक–से संबंधित मौलिक स्रोतों के विभिन्न प्रकारों के संदर्भ में भारतीय इतिहास और संस्कृति का एक संतुलित दृष्टिकोण प्रस्तुत करना था। जैसा कि पहले बताया जा चुका है, पहला खण्ड कुछ समय पहले छपने के लिए भेजा गया था और उसके शीघ्र ही छप जाने की आशा है। दूसरे खण्ड के लिए सामग्री संकलित कर ली गई है और उसका सम्पादन किया जा रहा है। तीसरे खण्ड को प्रकाशन के लिए तैयार करने से पहले इसका पुनरीक्षण किया जा रहा है।

### ३. टवर्डस फ्रीडम" संबंधी परियोजना

सन् १९७३ में शुरू की गई इस परियोजना का उद्देश्य १९३७-४७ के दौरान स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित विभिन्न प्रकार के स्रोतों के दस खंडों की एक श्रृंखला संकलित करना है यह योजना भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार के सहयोग से कार्यान्वित की जा रही है। पिछले वर्ष (१९७७-७८) के दौरान, परियोजना के सम्पादक मंडल की एक बैठक अब तक किए गए कार्य की समीक्षा करने और भविष्य के लिए कार्यक्रम तैयार करने के वास्ते हुई थी। यह निर्णय किया गया कि परियोजना पर कार्य करने वाली टीम को सुदृढ़ किया जाए। तथापि, आलोच्य वर्ष के अन्त तक परियोजना के लिए स्वीकृत अनेक पद, मुख्य सम्पादक सहित, रिक्त पड़े थे। परियोजना पर कार्य कर रहे स्टाफ ने प्रथम दो खण्डों के लिए सामग्री एकत्र करना जारी रखा। उन्होंने जिन स्रोतों से सम्पर्क किया उनमें शामिल थे : (क) सर तेज बहादुर सपू, पुरुषोत्तम दास ठाकुर दास एम० एम० शेरवानी, जगलाल चौधरी, टी० प्रकाशन (आत्मकथा सम्बन्धी टिप्पणियाँ), जी वी सुब्बाराव, भगवान दास, श्री प्रकाश, एम०एन० राय तथा एच०एल० शास्त्री, के निजी कागजात (ख) बाम्बे क्रानिकल, दि हिन्दू, दि स्टार आफ इण्डिया, दि अमृत बाजार पत्रिका, दि स्टेट्समेन जैसे समाचार पत्र तथा अन्य समाचार पत्र व अनेक साप्ताहिक तथा पाक्षिक पत्रिकाएँ, (ग) देश, प्रवशी, मासिक बासुमति, मासिक भारतवर्ष (सभी बंगला में) वाहिनी, भारती, डंका, पूर्णबोधी दर्शिनी, आन्ध्र भूमि (सभी तेलगु में) चाँद (छमाही), सरस्वती, विभूति सर्वोदय, समाचार यू०पी० रुपम, प्रवशी (सभी हिन्दी) दि न्यू एज और दि गोष्ठी (अंग्रेजी में) जैसी पत्र-पत्रिकाएँ तथा संस्थात्मक कागजात जैसे (i) राम दुर्ग त्रासदी के संबंध में जांच आयोग की रिपोर्ट (१९३९), (ii) अलबर, भरतपुर और जयपुर राज्यों के संबंध में अखिल भारतीय राज लोक सम्मेलन कागजात (१९३७-३८ और १९३९ का अंश) (iii) महाकोशल पी०सी०सी० कागजात (१९३७), (iv) पी०सी० जोशी संग्रह (१९३८-३९) और (v) अजय भवन संग्रह, जिसमें अखिल भारतीय किसान सभा कागजात, अखिल भारतीय काँग्रेस समाजवादी पार्टी कागजात, लीग आफ रेडीकल काँग्रेस मेन कागजात, फारवंड ब्लाक कागजात इत्यादि।

उपरोक्त से सामग्री एकत्र करने के अलावा, परियोजना पर काम करने वाली टीम ने उ०प्र०, बिहार, आन्ध्र प्रदेश तथा उड़ीसा में अनेक स्रोतों का भी पता लगाया है, जिनकी विस्तृत जाँच पड़ताल की जानी है।

## VII
## सेमिनार

इतिहास संबंधी जानकारी के व्यापाक प्रचार तथा उपयोग को सुविधा-जनक बनाने के उद्देश्य से परिषद कुछ चुने हुए संगत विषयों पर भारत में विभिन्न विश्वविद्यालयों में सेमिनार आयोजित करती रही है। इस वर्ष के दौरान परिषद ने, जबलपुर' श्रीनगर, गोरखपुर तथा धारवाड़ में ऐसे चार सेमिनार आयोजित किए। यह परिषद द्वारा विभिन्न संस्थाओं को, ६ सम्मेलन, ७ सेमिनार, ३ संगोष्ठियों और ३ कांग्रेस आयोजित करने के लिए दी गई सहायता के अतिरिक्त है, जिनके ब्यौरे परिशिष्ट–VI में दिए गए हैं।

जबलपुर में सेमिनार का आयोजन, जबलपुर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा १६ से १८ सितम्बर १९७८ तक किया गया था। सेमिनार का विषय था: "मध्य प्रदेश और राजस्थान के सामाजार्थिक इतिहास। प्राचीन और मध्ययुगीन समस्याएँ"। इसका उद्घाटन प्रोफेसर एस० नूरुल हसन ने किया था। मध्य प्रदेश और राजस्थान के लगभग पचास अध्येताओं ने सेमिनार में भाग लिया। भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के निदेशक सहित अनेक अध्येताओं ने सेमिनार के विषय से संबंधित किसी न किसी पहलू पर शोध आलेख प्रस्तुत किए।

श्रीनगर में सेमिनार का आयोजन, काश्मीर विश्वविद्यालय के उत्तर स्नातक इतिहास विभाग द्वारा १६ से १९ अक्तूबर १९७८ तक किया गया था। सेमिनार का विषय था "चौदहवीं शताब्दी से १९४७ तक जम्मू और कश्मीर तथा उसके निकटवर्ती क्षेत्रों के सामाजार्थिक इतिहास के अध्ययन में समस्याएँ"। इसका उद्घाटन जम्मू और काश्मीर के राज्यपाल तथा काश्मीर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री एल० के० झा ने किया। इसमें जम्मू और कश्मीर, हरियाणा हिमाचल प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश के लगभग ५० अध्येताओं ने भाग लिया। अध्यक्ष और निदेशक सहित लगभग २० प्रमुख शोध आलेख सेमिनार में प्रस्तुत किए गए।

गोरखपुर में सेमिनार का आयोजन, गोरखपुर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा ८ से १० दिसम्बर १९७८ तक किया गया था। सेमिनार का विषय था: उत्तर प्रदेश का सामाजार्थिक इतिहास, १५२६-१९४७। इसका उद्घाटन भा०इ०अ०प० के निदेशक श्री बी० आर० ग्रोवर ने किया और इसमें

लगभग ७५ अध्येताओं ने भाग लिया। सात प्रमुख शोध आलेख प्रस्तुत किए गए। इसके अतिरिक्त लगभग ४० अध्येताओं ने अपने शोध आलेख प्रस्तुत किए।

धारवाड में सेमिनार का आयोजन, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड के प्राचीन भारतीय इतिहास तथा पुरालेखशास्त्र विभाग द्वारा १७ से १९ मार्च १९७९ तक किया गया था। सेमिनार का विषय था: क्षेत्रीय इतिहास में अध्ययन: समस्याएँ तथा सम्भावनाएँ (दक्षिण भारत के विशेष संदर्भ में)। सेमिनार का उद्घाटन कर्नाटक विश्वविद्यालय के कुलपति श्री एस०एस० वोडेयार ने किया। कुल मिलाकर सेमिनार में ३२ शोध आलेख प्रस्तुत किए गए और लगभग ८० अध्येताओं ने विचार विमर्श में भाग लिया। सेमिनार में क्षेत्रीय इतिहास में अध्ययन की विभिन्न समस्याओं और सम्भावनाओं का विश्लेषण किया गया, क्षेत्रीय इतिहास में व्यवस्थित अनुसंधान को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

## VIII

### अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग

परिषद, भारतीय तथा विदेशी इतिहासकारों के बीच घनिष्ठ सम्पर्क बढ़ाने के लिए प्रयास करती रही है ताकि अनुभव और अनुसंधान के लाभों का फायदा उठाया जा सके। इस वर्ष के दौरान यह कार्य विदेशों में हुए अन्तर्राष्ट्रीय तथा अन्य सम्मेलनों में भाग लेने के लिए भारतीय इतिहासकारों की मदद करके तथा उन भारतीय अध्येताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करके किया गया जिनके विदेश दौरे उनके अनुसंधान कार्य के संबंध मे जरूरी थे। ऐसे अनुदान निम्नलिखित अध्येताओं को स्वीकृत किए गए:

१. प्रोफेसर एच० के० बरपुजारी
२. प्रोफेसर फौजा सिंह
३. डा० वाई० बी० माथुर
४. श्री सुहास बोरकर
५. कुमारी प्रेम चन्धानी
६. श्री एस० के० अग्रवाल
७. प्रोफेसर के० मजुमदार
८. डा० विनोद भाटिया

अनुदान तथा उनके अध्ययन विषयों के संबंध में ब्यौरे परिशिष्ट–IV में दिए गए हैं।

# IX

## प्रकाशन

परिषद की अर्धवार्षिक शोध पत्रिका "दि इण्डियन हिस्टोरिकल रिव्यू" खण्ड-IV, अंक के सातवें संस्करण को नवम्बर १९७८ में जारी किया गया। इस अंक के विषय, पिछले अंकों की तरह, भारतीय सामाजिक संरचना के प्रमुख विषय से संबंधित थे।

उपरोक्त के अलावा परिषद ने १५ पुस्तकें प्रकाशित की हैं। इनमें, एक पुनर्मुद्रण कार्यक्रम के अधीन एक परियोजना कार्य और इतिहास को प्रमुख पुस्तकों के १३ अनुवाद हैं। परिषद ने वर्ष १९७७-७८ की वार्षिक रिपोर्ट हिन्दी और अंग्रेजी में तथा आई० सी० एच० आर० न्यूजलेटर खण्ड-V अंक ४ तथा खण्ड-VI अंक १-२ भी प्रकाशित किया।

उल्लिखित प्रकाशनों के संबंध में ब्यौरे नीचे दिए गए हैं :

**पुनर्मुद्रण कार्यक्रम**

१. आर० पी० पटवर्धन तथा एच०जी०रावलिन्सन द्वारा "मराठा इतिहास की स्रोत पुस्तक" (के० पी० बागची एण्ड कम्पनी कलकत्ता के साथ सह-प्रकाशित)

**परियोजना कार्य**

१. प्रो० विश्वेश्वर प्रसाद द्वारा "भारत की विदेश नीति के आधार साम्राज्यवादी युग: १८८२-१९१४" (नया प्रकाश कलकत्ता के साथ सह-प्रकाशित)

**अनुवाद**

**बंगला :**

१. प्रो० सतीशचन्द्र द्वारा "मुगल दरबार में दल तथा राजनीति: १७०७-१७४०"

(के० पी० बागची एण्ड कम्पनी कलकत्ता के साथ सह-प्रकाशित)

२. डॉ० एम० अथर अली द्वारा "औरंगजेब के अधीन मुगल श्रेष्ठता"
(के०पी० बागची एण्ड कम्पनी कलकत्ता के साथ सह्-प्रकाशित)

गुजराती :

१. डॉ० आर० एस० शर्मा द्वारा "प्रारम्भिक मध्ययुगीन भारत में सामाजिक परिवर्तन"
(लोक वांगमय गृह प्रा० लि० बम्बई के साथ सह्-प्रकाशित)

२. डॉ० एस० नूरूल हसन द्वारा "मुगल भारत में कृषि संबंधों के बारे में विचार" ।
(लोक वांगमय गृह प्रा० लि० बम्बई के साथ सह्-प्रकाशित)

हिन्दी :

१. प्रो० एम० हबीब तथा प्रो० के० ए० निजामी द्वारा "दिल्ली सल्तनत" खण्ड-I
(मेकमिलन कं० आफ इंण्डिया लि० नई दिल्ली के साथ सह्-प्रकाशित)

२. प्रो० एम० हबीब तथा के० ए० निजामी द्वारा "दिल्ली सल्तनत" खण्ड-II
(मेकमिलन क० आफ इण्डिया लि० नई दिल्ली के साथ सह्-प्रकाशित)

मलयालम :

१. डॉ० आर०एस० शर्मा द्वारा "प्रारम्भिक मध्ययुगीन भारत में सामाजिक परिवर्तन"
(प्रभात बुक हाउस, त्रिवेन्द्रम के साथ सह्-प्रकाशित)

२. प्रो० रोमिला थापर, डॉ० हरबंस मुखिया तथा डॉ० विपन चन्द्र द्वारा "साम्प्रदायिकता तथा भारतीय इतिहास का लेखन"
(प्रभात बुक हाउस त्रिवेन्द्रम के साथ सह्-प्रकाशित)

मराठी :

१. देवराज चानना द्वारा "प्राचीन भारत में गुलामी, जैसा कि पाली और संस्कृत ग्रंथों में चित्रण किया गया है"

(लोक वांगमय गृह प्रा० लि० बम्बई के साथ सह-प्रकाशित)

२. डॉ० आर० एस० शर्मा द्वारा "प्रारम्भिक भारतीय सोसायटी और अर्थव्यवस्था पर दृष्टि"।

(लोक वांगमय गृह प्रा० लि० बम्बई के साथ सह-प्रकाशित)

उर्दू :

१. डा० बी० पी० सक्सेना द्वारा दिल्ली के "शाहजहां का इतिहास"

(उर्दू प्रोन्नति ब्यूरो, नई दिल्ली के साथ सह-प्रकाशित)

२. श्री डी० आर० गाडगिल द्वारा "हाल ही के समय में भारत का औद्योगिक विकास"

(उर्दू प्रोन्नति ब्यूरो, नई दिल्ली के साथ सह-प्रकाशित)

३. श्री आर० एस० रूँगटा द्वारा "भारत में व्यापार निगम का विकास : १८५१–१९००"।

(उर्दू प्रोन्नति ब्यूरो नई दिल्ली के साथ सह-प्रकाशित)

## वार्षिक रिपोर्ट

१. भा० इ० अ० प० वार्षिक रिपोर्ट, वर्ष १९७७-७८ के लिए— अंग्रेजी में।

२. भा० इ० अ० प० वार्षिक रिपोर्ट वर्ष १९७७-७८ के लिए- हिन्दी में।

## आई० सी० एच० आर० न्यूजलेटर

१. आई० सी० एच० आर० न्यूजलेटर खण्ड-V अंक ४, खण्ड-VI अंक १-२ (अक्तूबर १९७७ जून १९७८)

वित्तीय वर्ष के अन्त में ३२ कृतियाँ अनुवाद प्रकाशन के विभिन्न स्तरों पर थे। इनमें, पाँच स्रोत खण्ड, तीन पुनर्मुद्रण, २३ अनुवाद और के० एम० पाल द्वारा उड़ीसा विधान सभा तथा स्वतंत्रता संग्राम : १९१२-१९४७ नामक एक खण्ड शामिल था।

# X

## प्रलेखन केन्द्र एवं पुस्तकालय

प्रालेखन केन्द्र एवं पुस्तकालय ने अपने अनुसंधान प्रोन्नति कार्यकलापों में प्रगति जारी रखी। इनमें शैक्षिक समुदाय को सेवा प्रदान करना, मध्य युगीन भारत के कृषि इतिहास के संबंध में एक ग्रंथसूची तैयार करना आदि शामिल है। वर्ष के प्रारम्भ में केन्द्र के संग्रह में १००४५ पुस्तकें थीं। वर्ष के दौरान ८२० और पुस्तकें शामिल की गई जिससे पुस्तकों भी कुल संख्या १०८६५ हो गई। पुस्तकालय इस समय १०३ नियमित प्रकाशित शोध पत्रिकाओं का सदस्य है। केन्द्र में आने वाले अध्येताओं की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। कुछ दुर्लभ पाण्डुलिपियों फोटो की प्रतियों, जेरोक्स प्रतियों और माइक्रोफिल्मों की भी मांग की गई।

# XI

## प्रशासन

निम्नलिखित तालिका से परिषद तथा इसकी कार्यात्मक समितियों की वर्ष के दौरान हुई बैठको की संख्या का पता चलता है :

| | | बैठकों की संख्या |
|---|---|---|
| १. | परिषद | २ |
| २. | प्रशासनिक समिति | १ |
| ३. | विनियम समिति | १ |
| ४. | अनुसंधान परियोजनाएँ समिति | २ |
| ५. | अध्ययन अनुदान समिति | २ |
| ६. | अनुवाद समिति | १ |
| ७. | "टूवर्ड्स फ्रीडम" परियोजना के लिए सम्पादक मंडल | १ |

परिषद के स्वीकृत स्टाफ की संख्या में कुछ थोड़ा सा परिवर्तन हुआ क्योंकि अनुवाद परियोजना के अन्तर्गत कुछ पदों को, जो १९७७ में परिषद का एक भाग समझे गये थे, दिनांक १-३-१९७९ से समाप्त करना पड़ा। इसके साथ ही अध्यक्ष के पूरे कार्यालय के लिए एक फराश-एवं-चपरासी तथा एक जूनियर स्टेनोग्राफर का पद मंजूर किया गया। परिषद के स्टाफ की पुनरीक्षत स्वीकृत संख्या परिशिष्ट VII में दी गई है।

## परिशिष्ट--I

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद

(३१ मार्च, १९७९ की स्थिति)

**भा० इ० अ० प० का गठन**

प्रोफेसर ए० आर० कुलकर्णी

अध्यक्ष, भा० इ० अ० प०

१. प्रोफेसर मोहम्मद यासीन,
प्रोफसर तथा अध्यक्ष,
उत्तर स्नातक इतिहास विभाग,
काश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, १९०००६

२. प्रोफेसर एस० एस० बल,
प्रोफेसर तथा अध्यक्ष,
इतिहास विभाग,
पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला--१४७००२

३. प्रोफेसर वी० एन० दत्ता,
प्रोफेसर आधुनिक इतिहास,
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र-१३२००९

४. डा० पी० एन० चोपड़ा,
सम्पादक (गजेटियर्स),
संस्कृति विभाग,
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-११०००१

५. प्रोफेसर पी० एस० गुप्ता,
प्रोफेसर, इतिहास,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

६. प्रोफेसर बी० एस० माथुर
प्रोफेसर, इतिहास,
उदयपुर विश्वविद्यालय,
उदयपुर (राजस्थान)

७. प्रोफेसर के० ए० निजामी,
निजामी विला,
सर सैयद रोड, अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश)

८. प्रोफेसर लल्लनजी गोपाल,
ए० आई० एच० सी० तथा पुरातत्व विभाग,
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-२२१००५

९. प्रोफेसर के० डी० वाजपेयी,
एच/१५, पद्माकर नगर,
सागर-४७०००४

१०. प्रोफेसर योगेन्द्र मिश्र,
वैशाली भवन,
टिकियाटोली, पटना-८००००६

११. डॉ० सिसिर कुमार मित्रा,
९ए-विलियम लेन कलकत्ता-७००००५

१२. प्रोफेसर एम० एन० दास,
प्रोफेसर इतिहास,
उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार,
भुवनेश्वर ७५१००४ (उडीसा)

१३. प्रोफेसर एच० के० बरपुजारी
प्रोफेसर इतिहास (सेवानिवृत्त)
एच०सी०रोड गोहाटी ७८१००१

१४. प्रोफेसर द्विजेन्द्र त्रिपाठी,
प्रोफेसर आर्थिक इतिहास
भारतीय प्रबन्ध संस्थान
अहमदाबाद ३८००१५

१५. प्रोफेसर सरोजिनी रेगानी,
६-१-२७५, पद्मारावनगर,
सिकन्दराबाद ५०००२५ (आ० प्र०)

१६. प्रोफेसर एस० एच० रित्ती,
प्रोफेसर तथा अध्यक्ष,
प्राचीन भारतीय इतिहास तथा पुरालेख विभाग,
कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड, ५८०००३ (धारवाड)

१७. प्रोफेसर एन० सुब्रमण्यम,
नं० ६६, एन० जी० ग्रो० कालोनी
नागमलई पुडुक्कोटी, मदुरे-१९

१८. प्रोफेसर टी० के० रविन्द्रन,
प्रोफेसर इतिहास,
केरल विश्वविद्यालय, करिअावटटम, त्रिवेन्द्रम ६९५५८१।

१९. प्रोफेसर सतीश चन्द्र,
अध्यक्ष,
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,
बहादुरशाहजफर मार्ग, नई दिल्ली-११०००२

२०. श्री बी० के० थापर,
महानिदेशक,
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली ११०००

२१. डा० एस० एन० प्रसाद,
निदेशक,
भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार,
जनपथ नई दिल्ली-११०००

२२. श्री पी० सबानायगम,
सचिव,
शिक्षामंत्रालय, भारत सरकार,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली११०००

२३. श्री ए० एस० गिल,
अपर सचिव,

संस्कृति विभाग, शिक्षा मंत्रालय,
भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–११०००१

२४. वित्तीय सलाहकार,
शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली ।

२५. श्री एच० के० रक्षित,
निदेशक,
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
२७, जवाहरलाल नेहरू रोड,
कलकत्ता–७०००१६

२६. सदस्य सचिव (रिक्त)

## परिशिष्ट II

### स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाएँ

वर्ष के दौरान स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाओं की सूची नीचे दी गई है। स्वीकृत राशि कोष्ठकों में दी गई है।

(१) प्रोफेसर ए०एम० शास्त्री, अध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, **कौसम्बी और दक्षिण कोसले का मगद्दा : उनके इतिहास, सिक्के—ढलाई तथा शिलालेखों का अध्ययन** (५,००० रु०)

डा० एम०के० धवलिकर, रीडर प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व, दक्कन कालेज, पूणे, **पश्चिमी भारत के परवर्त्ती हिनायन गुफा मन्दिर** (१०,००० रु०)

(३) डा० वी०जी० हतालकर, यशवंत नगर पो०आ० जनरल अस्पताल, तालेगांव–दमाडे, जिला पुणे, 'मराठाओं के इतिहास से सम्बन्धित फ्रेंच दस्तावेजों का अनुवाद' (१४,५०० रु०)

(४) डा० बी०डी० तिवारी, प्रिंसिपल, शोलापुर कालेज, शोलापुर, 'छत्रपति शिवाजी तथा महाकवि भूषण' (५,००० रु०)

(५) प्रोफेसर एस०सी० मिश्र अध्यक्ष, इतिहास विभाग, एम०एस० बड़ोदा विश्वविद्यालय, बड़ोदा, तारीख-ए-महमूद शाही तथा अन्य शहरी दस्तावेज (८,००० रु०)

(६) श्री महेन्द्र पाल सिंह, प्राध्यापक, इतिहास विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ 'मिरात–उल–हकीक का अनुवाद और सम्पादन' (६,००० रु०)

(७) श्री बी०पी० अम्बास्थ, अनुसंधान फैलो, के०पी० जायसवाल अनुसंधान संस्थान, संग्रहालय भवन, पटना 'इलाहबाद फैजी सर हिन्दी अकबर-नामा' (टिप्पणी के साथ फारसी पाठ का सम्पादन) (४,००० रु०)

(८) डा० एस०डब्ल्यू अशरफ, रीडर, फारसी तथा उर्दू विभाग, मद्रास, 'मकतुबात-ए-अशरफी तथा लताएफ-ए-अशरफी–कुछ अंशों का अनुवाद (५,००० रु०)

(९) प्रोफेसर एस० श्रीपति नायडू अध्यक्ष, इतिहास तथा पुरातत्व विभाग, बेसंट थियोसाफीकल कालेज, पदनापल्ली-५१७३२५, आन्ध्र प्रदेश, गुर्रमकोण्डा किले का एक इतितास, (९,६०० रु०)

(१०) प्रोफेसर एल०टी० शर्मा, प्रिंसीपल, एम०एम० आर्ट्स तथा विज्ञान कालेज सिरसी, कर्नाटक, 'बनवासी–१२००: बनवासी के ईर्द-गिर्द पुरालेखीय स्रोतों पर मुख्यतः आधारित एक ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक अध्ययन' (१४,८०० रु०)

(११) प्रोफेसर निहार रंजन रे, प्रोफेसर, सेवामुक्त, कलकत्ता विश्वविद्यालय, प्रसाद भवन, ६८/४ ए, पूर्ण दास रोड, कलकत्ता–७०००२९, 'भारत-बर्मी कला' १२,००० रु०)

(१२) श्रीमती जोगिन्दर कौर, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, "फतहसिंह प्रभाकर" पाण्डुलिपी का मिलान तथा व्याख्या (१०,००० रु०)

(१३) प्रोफेसर रासेश जमीन्दार, अध्यक्ष, इतिहास तथा संस्कृति विभाग, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद, 'सन् १९०१ से १९८० तक गुजराती पत्रिकाओं में प्रकाशित लेखों की सटिप्पण ग्रन्थसूची' (२,३०० रु०)

(१४) डा० आर०डी० नौटियाल, रीडर तथा अध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग, गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, गढ़वाल, उत्तर प्रदेश, 'गढ़वाल का क्षेत्रीय इतिहास : स्रोत सामग्री की एक खोज' (१५,९३३ रु०)

(१५) प्रोफेसर आर० सुब्रह्मण्यम, अध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग, नागर्जुन विश्वविद्यालय नागार्जुन नगर, गुन्टूर, आन्ध्र प्रदेश 'आन्ध्र प्रदेश के इतिहास की ग्रन्थसूची' (१२,९०० रु०)

(१६) डा० एम०एस० जैन, रीडर, इतिहास तथा भारतीय संस्कृति विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर '१९२१–३७ के दौरान उत्तर प्रदेश, और पंजाब में उर्दू समाचारपत्रों में अभिव्यक्त राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक विचार' (२५,००० रु०)

(१७) प्रोफेसर जे०सी० झा, इतिहास विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना, 'बिहार तथा उत्तर प्रदेश से अनुबंधित उत्प्रवास १८६८–१९१७' (२५,००० रु०)

(१८) डा० के०वी० केसवन, सह-प्रोफेसर, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ,'अन्तर-युद्ध काल के दौरान भारत-जापान सम्बन्ध', (२१,६०० रु०)

(१९) डा० एल०पी० माथुर, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर, '१९वीं शताब्दी में दक्षिण-पूर्व राजस्थान के भीलों के बीच प्रतिरोध अभियान' (२३,४७५ रु०)

(२०) निदेशक, अभिलेखागार तथा पुरातत्व, महाराष्ट्र सरकार, बम्बई, 'बम्बई अभिलेखागार में १७५० से पूर्व के रिकार्डों का लिप्यंतरण' (२५,००० रु०)

(२१) डा० ज़ेड० सिद्दीकी, रीडर, इतिहास विभाग, सैन्टर ऑफ एडवांस स्टडीज़ अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, 'महमूद काज़िम के आलमगीर नामें का अनुवाद (प्रस्तावना तथा टीका के साथ)' (यात्रा तथा फुटकर के लिए २,००० रु० तथा नियमानुसार सम्पादन और अनुवाद के लिए अदायगी)

(२२) श्रीमती मजीदा नेमत उल्लाह खान, अनुसंधान सहायक, इतिहास विभाग, उच्च अध्ययन केन्द्र, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ 'नुस्खा-ए -दिलकुशा का अनुवाद, सम्पादन तथा टीका' (५,००० रु०)

उपरोक्त २२ अनुसंधान परियोजनाओं की स्वीकृति के अलावा, नीचे दी गई परियोजना के लिए अतिरिक्त राशि स्वीकृत की गई, जो मूलत: १९७४-७५ के दौरान स्वीकृत की गई थी और उस वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट के परिशिष्ट II में मद १ के रूप में उसका उल्लेख किया गया था। स्वीकृत की गई अतिरिक्त राशि कोष्टक में दी गई है :

(१) प्रोफेसर ए०एम० शास्त्री, अध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, 'कोसम्बी तथा दक्षिण कोशल के मगहों के कुछ ३,००० सिक्के' (३५० रु०)

## परिशिष्ट-III

### अनुसंधान फैलोशिप

वर्ष के दौरान स्वीकृत फैलोशिपों की सूची नीचे दी गई है। स्वीकृत की गई राशि कोष्ठक में दी गई है।

१. श्री एस जी जोशी, मीमाँसा विद्यालय, सदाशिव पेठ, २०६६ पुणे "उस्मानाबाद जिले के पाषाण तथा ताँबा प्लेट शिलालेखों का संग्रह, अध्ययन तथा प्रकाशन" (एक वर्ष के लिए ४०० रुपये प्रति मास तथा फुटकर अनुदान के रूप में २,०००रुपये)

२. श्री उदय शंकर तिवारी, नेहरू स्मारक संग्रहालय तीन मूर्ति हाउस, नई दिल्ली "बिहार में (कुषाण से लेकर गुप्ता काल तक) प्रारम्भिक क्रिश्चियन युग में प्रौद्यौगिकी तथा भौतिक जीवन (१,०००रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष तक वेतन संरक्षण)

३. श्री दलजिन्दर सिंह जोहल, प्राध्यापक, इतिहास, जी.एच.सी. खालसा कालेज, गुरुसर सधर, लुधियाना, पंजाब, "१७५०-१८५० के बीच पंजाबी साहित्य में अभिव्यक्त समाज और संस्कृति" (एक वर्ष तक ४०० रु०प्र०मा० तथा १,०००रुपये का फुटकर अनुदान)

४. श्री शशि प्रकाश सिन्हा, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, "भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में हिन्दुस्तानी समाजवादी गणतन्त्र सेना की भूमिका १९२८–४७" (एक वर्ष के लिए ४०० रु० प्र० मा० तथा १,००० रुपये का फुटकर अनुदान)

५. डॉ (श्रीमती) वनजा रंगास्वामी, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली "भारत के संरक्षित राजाओं पर ब्रिटिश अनौपचारिक साम्राज्यवाद की गतिशीलता: अप्रत्यक्ष शासन की तुलना में ब्रिटिश नीति का अध्ययन" (एक

वर्ष के लिए १,००० रु० प्र० मा० तथा २,५०० रुपये का फुटकर अनुदान)

६. श्री जगतार सिंह राखर, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, "पंजाब में मुस्लिम राजनीति १६०६-४७" (एक वर्ष के लिए ४०० रुपये प्रतिमास तथा १,००० रुपये का फुटकर अनुदान)

७. श्री रविन्द्र कुमार मोहन्ती, अनुसंधान अध्येता, दक्कन कालेज, पुणे, "पूर्वी उडीसा का सांस्कृतिक पुरातत्व" (एक वर्ष के लिए ४०० रु० प्र० मा० तथा १,००० रुपए का फुटकर अनुदान)

८. श्री टी० के० विजय मोहन, अनुसंधान अध्येता इतिहास विभाग, केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम "ट्रावनकोर में देवोस्वम प्रशासन १८१०–१६२२" (छः महीने के लिए ४०० रुपये प्रतिमास और १,००० रुपये का फुटकर अनुदान)

६. डा० आर० नाथ, शिवहरे धर्मशाला के पीछे, सखर कालोनी, नई सड़क, लश्कर ग्वालियर "कुम्भ मेवाड के महाराणा के वास्तुकला अवशेष १४३३-६८" (एक वर्ष के लिए १,४०० रुपये प्रतिमास तथा ३,००० रुपये का फुटकर अनुदान)

१०. श्री के० एस० मेथ्यू, अनुसंधान अध्येता, इतिहास अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली "पारम्भिक सोलहवीं शताब्दी (१५००-३०) के दौरान मलाबर तट पर पुर्तगाली व्यापार" १-६-१६७८ से ३१-१२-१६७८ तक ४०० रुपये प्रतिमास और १-१-१६७६ से २८-३ १६७६ तक ७०० रुपये प्रतिमास तथा १,००० रुपये का फुटकर अनुदान)

११. कुमारी नीता बनर्जी, अनुसंधान अध्येता, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद "गंगा घाटी के प्राचीन टेराकोटा का सांस्कृतिक अध्ययन" (दो वर्ष के लिए ४०० रुपये प्रतिमास और नियमानुसार फुटकर अनुदान)

१२. श्रीमती नादिरा जहीर बब्बर, ए-४३, मुनीरका, डी.डी.ए. फ्लैट्स नई दिल्ली "एक कला के रूप में शास्त्रीय भारतीय ड्रामा का

ऐतिहासिक विश्लेषण और आधुनिक रंगमंच के प्रति इसकी संगतता" (दो वर्ष के लिए ६०० रुपये प्रतिमास और नियमानुसार फुटकर अनुदान)

१३. श्री डी० सी० घोष, ४ नार्थ रिवरिया अपार्टमेंटस, ४५ दि माल दिल्ली–७ "कालीघाट चित्रकारी स्कूल १९वीं और बीसवीं शताब्दी में समकालीन वस्तुओं पर इसका प्रभाव" (२० वर्ष के लिए १,००० रुपये प्रतिमास और ३००० रुपये प्रतिवर्ष का फुटकर अनुदान)

१४. श्री सुधीर कुमार त्रिवेदी, प्राच्य निकेतन, बिरला संग्रहालय, भोपाल-४ "मध्य भारत में प्रतिहारा कला (एक वर्ष के लिए ५०० रुपये प्रति मास और १,५०० रुपये का फुटकर अनुदान)

१५. श्रीमती नसीम हैदर, इतिहास विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, "मौर्यों से लेकर हर्ष काल तक प्राचीन भारत में उत्पादन प्रौद्योगिकी" (दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण तथा १,५०० रुपये प्रति वर्ष का फुटकर अनुदान)

१६. श्री अखण्ड प्रताप सिंह, भुवनेश्वर नगर कालोनी, वाराणासी "समकालीन प्रतिमाएँ तथा उनकी सामाजिक-धार्मिक संगतताएँ (२ वर्ष के लिए ५०० रुपये प्रति मास और १,५०० रुपये प्रति वर्ष का फुटकर अनुदान)

१७. श्री जे० सी० नागपाल, भूतपूर्व प्रमुख पुरातत्वीय कैमिस्ट, ६/१५ ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली–८, "भारत की भित्ती चित्रकारी की वर्गीकृत निर्देशिका" ( दोवर्ष के लिए १००रुपये प्रतिमास तथा २,३०० रुपये प्रति वर्ष का फुटकर अनुदान)

१८. डा एस० एन० श्रीवास्तव, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ "६०० ए डी से १२०० ए डी तक प्राचीन भारत में सबसे निचले-स्तर का सांस्कृतिक अध्ययन" (दो वर्ष के लिए ७०० रुपये प्रति मास और नियमानुसार फुटकर अनुदान)

१९. श्री वी० श्रीरामचन्द्र मूर्ति, अनुसंधान अध्येता, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग, नागार्जुन विश्वविद्यालय नागार्जुन नगर, आ० प्र० "गुन्टुरेजिले में मंदिर १,५०० ए डी तक एक सामाजार्थिक अध्ययन" (एक वर्ष के लिए ४०० रु० प्र० मा० तथा १५०० रु० का फुटकर अनुदान)

२०. श्री बलराज पण्डित, ९/५३ नवाब गंज दिल्ली–६ "उत्तरी भारत का लोक रंगमंच-उत्पत्ति, नए स्वरूपों का उद्‌भव और दसवीं शताब्दी से १९४० तक विकास (दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्र० मा० तथा नियमानुसार फुटकर अनुदान)

२१. कुमारी प्रेम चौधरी, प्राध्यापक, इतिहास, मीरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, पंजाब राजनीति में सर छोटू राम की भूमिका (एक वर्ष के लिए वेतन संरक्षण तथा १,५०० रुपये का फुटकर अनुदान)

२२. श्री पी० के० वी० कैमल, वरिष्ठ अनुसंधान सहायक, भा० इ० अ० प०, ३५ फिरोजशाह रोड़, नई दिल्ली 'पुन्नपरा-व्यालाल क्रान्ति के सामाजार्थिक और राजनीतिक पहलू" (दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण तथा नियमानुसार फुटकर अनुदान)

२३. श्री ब्रज किशोर शर्मा, अनुसन्धान अध्येता, इतिहास विभाग, राजस्थान, विश्वविद्यालय, जयपुर "जयपुर जिले में कृषकों की आर्थिक स्थितियां: १८८०-१९४९" (दो वर्ष के लिए ४०० रु० प्र० मा० और नियमानुसार फुटकर अनुदान)

२४. डा० एम० के० उमठा, ११, व्यंकटेश नगर, कमला रोड़, नागपुर-५ "विदर्भ में स्वतन्त्रता संग्राम की सामाजार्थिक पृष्ठ-भूमि: १९२०-४७" (दो वर्ष के लिए ७०० रु० प्र० मा० और नियमानुसार फुटकर अनुदान)

२५. श्री आर० एस० त्रिपाठी, अनुसन्धान अध्येता, इतिहास विभाग गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर "उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा का विकास १९०४-४७" (दो वर्ष के लिए ४०० रु० प्र० मा० और नियमानुसार फुटकर अनुदान)

२६. श्री यू० आर० समर्थ, अनुसन्धान अध्येता, इतिहास विभाग, विश्वभारती विश्वविद्यालय, शान्तिनिकेतन "भारतीय जाग्रती और महाराष्ट्र (१वीं शताब्दी का एक सामाजिक सांस्कृतिक अध्ययन (दो वर्ष के लिए ६०० रु० प्र० मा० तथा २,००० रु० प्र० वर्ष का फुटकर अनुदान) ।

२७. श्री श्याम नारायण सिंह, नं० ११४ शान्ता कबीर हास्टेल, गोरखपुर "वेकाना सम्प्रदाय के सिद्धांत एवं इतिहास (वेकाना मत का सिद्धांत और इतिहास)" एक वर्ष के लिए ५०० रु० प्र० मा० तथा नियमानुसार फुटकर अनुदान)

२८. डा० प्रेमा राम, प्राध्यापक, इतिहास, कला तथा विज्ञान कालेज, वनस्थली विद्यापीठ, बरास्ता जयपुर, राजस्थान "राजस्थान में कृषि सुधार, १९१३-४७" (दो वर्ष के लिए वेतन संरक्षण तथा २,००० रु० प्रति वर्ष का फुटकर अनुदान)

२९. श्री बी० एस० चन्द्र बाबू, अनुसन्धान अध्येता, इतिहास विभाग मद्रास क्रिश्चियन कालेज, ताम्बरम, मद्रास ५९ "तामिलनाडु में सामाजिक विरोध तथा इसका प्रभाव: १९२५-४७ (२ वर्ष के लिए ५०० रु० प्र० मा० और १,५०० रुपये प्र० वर्ष का फुटकर अनुदान)

३०. डा० ए० सी० शर्मा, कला संकाय, जबलपुर विश्वविद्यालय, जबलपुर, "ब्रजनारायण चकबस्त का आर्थिक, सामाजिक, ऐतिहासिक तथा राजनीतिक विचार" (दो वर्ष के लिए ७५० रु० प्र० मा० तथा १,५०० रु० प्र० वर्ष का फुटकर अनुदान)

३१. प्रोफेसर टी० वी० महालिंगम, नं० १७ फोर्थ क्रास स्ट्रीट रामकृष्ण नगर, राजा अन्नमलईपुरम मद्रास-२८, "प्राचीन काल से १५ वीं शताब्दी तक दक्षिणी भारत के सामाजिक आर्थिक और प्रशासनिक इतिहास से सम्बन्धित स्रोतों का संकलन" (२ वर्ष के लिए १,४०० रुपये प्र० मा० और ५,०००रु० प्र० वर्ष का फुटकर अनुदान)

उपरोक्त ३२ फैलोशिपों के अलावा, पहले स्वीकृत निम्नलिखित आठ फैलोशिपों के समय में वृद्धि मन्जूर की गई।

१. कुमारी विजया मेहता, अनुसंधान अध्येता, इतिहास अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय" छटी और दसवीं शताब्दियों के बीच गुजरात की भूमि पद्धतियाँ तथा सामाजार्थिक संरचना" (इस फैलोशिप की स्वीकृति की वर्ष १९७६-७७ की वार्षिक रिपोर्ट के परिशिष्ट-II की मद २२ के रूप में रिपोर्ट की गई है। आलोच्य वर्ष के दौरान इसे ५०० रु० प्र० मा० की दर से दस महीने की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया है।

२. प्रोफेसर डब्ल्यू० एन० कुबेर, २७ए सेनदत्ता पेठ, पुणे ३०, पूना विश्वविद्यालय से सम्बद्ध "महाराष्ट्र में शोलापुर के विशेष संदर्भ में स्वतन्त्रता संग्राम में सामाजिक सहभागिता: १९३०-३४" (इस फैलोशिप की स्वीकृति की वर्ष १९७६-७७ की वार्षिक रिपोर्ट के परिशिष्ट-III की मद १९ के रूप में रिपोर्ट की गई है। आलोच्य वर्ष के दौरान इसे ६०० रु०प्र०मा० की दर से छ: महीने की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया है)

३. श्री गोपाल दास गुलाटी, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली "१३वीं और १४वीं शताब्दियों के दौरान उत्तर पश्चिमी सीमा" (इस फैलोशिप की स्वीकृति की वर्ष १९७६-७७ की वार्षिक रिपोर्ट में परिशिष्ट-III की मद-II के रूप में रिपोर्ट की गई है। आलोच्य वर्ष के दौरान इसे ५०० रु० प्र० मा० की दर से छ: महीने की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया है)

४. श्री श्रुति प्रकाश शर्मा, प्राध्यापक इतिहास, जामिया मिलिया इस्लामिया, जामिया नगर, नई दिल्ली, "काँगड़ा जिले में सामाजार्थिक परिवर्तन १८४६-१९१०" (इस फैलोशिप की स्वीकृति की वर्ष १९७७-७८ की वार्षिक रिपोर्ट में परिशिष्ट-III की मद १५ के रूप में रिपोर्ट की गई है। आलोच्य वर्ष के दौरान इसे वेतन के संरक्षण और २,५०० रु० के फुटकर अनुदान के साथ छ: महीने की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया है।

५. श्री ए०के० सिंह प्राध्यापक इतिहास विभाग, पटना विश्वविद्यालय पटना "भारत-रोमन संबंध १००-५०० ए डी"। (इस फैलोशिप की स्वीकृति की वर्ष १९७६-७७ की वार्षिक रिपोर्ट में परिशिष्ट-III को मद ३२ के रूप में रिपोर्ट की गई है। आलोच्य वर्ष के दौरान वेतन संरक्षण की व्यवस्था सहित इसे छः महीने के लिए और बढ़ा दिया गया है)

६. कुमारी पुष्पा अग्रवाल, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी "उत्तर प्रदेश का राजनीतिक आन्दोलन १९२७-३५" (छः महीने के लिए इस फैलोशिप की स्वीकृत की वर्ष १९७६-७७ की वार्षिक रिपोर्ट में परिशिष्ट-III की मद १ के रूप में रिपोर्ट की गई है। आलोच्य वर्ष के दौरान इसे १.३.१९७८ से २८.२.१९७९ तक ५०० रु० प्र०मा० की दर से तथा २,००० रु० के फुटकर अनुदान के साथ एक वर्ष की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया है)

७. श्रीमती विद्युत मोहन्ती अनुसंधान अध्येता, दिल्ली अर्थशास्त्र स्कूल, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली "उड़ीसा के विशेष संदर्भ में कठिनाई तथा कृषि प्रणाली पर इसका प्रभाव १८८६-१९३१" (इस फेलोशिप की स्वीकृति की वर्ष १९७५-७६ की वार्षिक रिपोर्ट की मद १३ के रूप में रिपोर्ट की गई है। एक वर्ष और तीन महीने के लिए इसकी अवधि में वृद्धि की वर्ष १९७७-७८ की वार्षिक रिपोर्ट के पृष्ठ ३१ पर रिपोर्ट की गई है। आलोच्य वर्ष के दौरान इसे ५०० रु० प्र० मा० की दर से छः महीने की अवधि के लिए और बढ़ा दिया गया है)

८. श्री मोती लाल भार्गव, ३४/९ ईस्ट पटेल नगर नई दिल्ली" उ०प्र० में स्वतन्त्रता संग्राम में समाचार पत्रों की भूमिका" (इस फेलोशिप की स्वीकृति की वर्ष १९७७-७८ की वार्षिक रिपोर्ट के परिशिष्ट-III में मद १४ के रूप में रिपोर्ट की गई है। आलोच्य वर्ष के दौरान इसे २,५०० रुपये फुटकर अनुदान के साथ १,००० रु० प्र०मा० की दर से एक वर्ष की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया है)

ऊपर बताई गई आठ फेलोशिपों की अवधि में वृद्धि के अलावा, निम्न का अनुमोदन किया गया :—

(क) वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में पूल अधिकारी डा० (श्रीमती) मालती एम शेंडगे को ३,००० रु० प्र० वर्ष के फुटकर अनुदान के साथ फेलोशिप की राशि बढ़ाकर १,६०० रु० प्र० मा० कर दी गई। "सिन्धु लिपि का अर्थ निकालने" के कार्य के लिए इस अध्येता को फैलोशिप को स्वीकृति की वर्ष १९७७-७८ की वार्षिक रिपोर्ट के परिशिष्ट-III की मद ४ के रूप में रिपोर्ट की गई है।

(ख) दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के इतिहास विभाग के अनुसंधान अध्येता श्री संदीप चावला को बकाया फुटकर अनुदान का उपयोग करने की अनुमति के साथ स्वीकृत फेलोशिप का आस्थगन "ब्रिटिश भारत तथा पाकिस्तान १९१७ के संबंध में कार्य करने के लिए इस अध्येता को फेलोशिप की स्वीकृति की वर्ष १९७७-७८ की वार्षिक रिपोर्ट के परिशिष्ट-III की मद १८ के रूप में रिपोर्ट की गई है।

(ग) डा० (श्रीमती) राधारानीउपाध्याय, (प्राचीन भारत के औषधीय पाठोंसे आर्थिक भूगोल) डा० (श्रीमती) विभात्रिपाठी प्रारम्भिक उत्तर भरतीय स्थलों से लोह वस्तुओं का वर्गीकरण और अध्ययन: १००० बी सी-३०० ए डी कुमारी विधुला जायसवाल (पाषाण युग की जाँच-पड़ताल) पूर्वी छोटा नागपुर, प्लेटु का पुरातत्व) और डा० अच्छे लाल यादव गुर्जर पृथिहरों और उनके उत्तराधिकारियों के शिला-लेखों में भौगोलिक नामों के एक कोश को पहले स्वीकृत फेलोशिपों का उनके अनुरोध पर आस्थगन इन अध्येताओं को फेलोशिपों की मंजूरी का वर्ष १९७५-७६ और १९७६-७७ की वार्षिक रिपोर्टों में उल्लेख किया गया है।

## परिशिष्ट–IV

निम्नलिखित ११५ अध्येताओं को अध्ययन/यात्रा/फुटकर अनुदान स्वीकृत किए गए:–

१. प्रोफेसर एच०के० बरपुजारी, एच० सी० रोड, गोहाटी, 'पर्वतीय कबीलों की समस्याएँ—उत्तर-पूर्वी सीमा' (यू०के० और अमेरिका में ४५ दिन के अध्ययन के लिए अनुरक्षण अनुदान तथा २५० पौंड का फुटकर अनुदान)

२. प्रोफेसर फौजा सिंह, इतिहास विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, 'उत्तर-पश्चिमी सीमा से सम्बन्धित रणजीत सिंह की रक्षा समस्याएं। (५२५०)

३. श्री सुहास बोरकर, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 'महाराष्ट्र में सामूहिक राजनीति : १९००–१९२०' (यू० के० में छः सप्ताह ठहरने के लिए अनुरक्षण अनुदान तथा ७,४८२ रु० वायुयान किराया)

४. कुमारी प्रेम चौधरी, इतिहास अध्ययन केन्द्र, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 'पंजाब राजनीति में सर छोटू राम की भूमिका' (यू०के० में तीन महीने ठहरने के लिए अनुरक्षण अनुदान)

५. डा० वाई० बी० माथुर, रेनिंग मास्टर, लाज जुबली, १०२, बनारसीदास एस्टेट, दिल्ली ('स्वरबिका' सम्मेलन में भाग लेने के लिए कोलम्बो का वायुयान किराया)

६. श्री एस०के० अग्रवाल, २९ तिलक, देहरादून, 'पंजाब के राज्य-पाल लार्ड विलियम माल्कोम हेले का जीवन और प्रशासन : १९२४-२८' (यू०के० में तीन महीने अध्ययन के लिए अनुरक्षण अनुदान तथा यू० के० जाने व आने का वायुयान किराया)

७. श्री नीलाद्रि भट्टाचार्य, इतिहास अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 'कृषि परिवर्तन तथा उपनिवेशी भारत में व्यापारीकरण की प्रकृति : पंजाब (मध्य तथा पूर्वी) कृषक वर्ग का १८८०-१९३१ के बीच एक अध्ययन' (यू० के० में तीन महीने ठहरने के लिए अनुरक्षण अनुदान तथा यू० के० जाने व आने का वायुयान किराया)

८. डा० सुशील चौधरी, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कलकत्ता, 'पूर्व-प्लासी बंगाल-१७२०-५७ का व्यापार और अर्थ-व्यवस्था' (यू० के० और हेग में तीन-तीन महीने ठहरने के लिए अनुरक्षण अनुदान और ३०० पौंड फुटकर अनुदान के रूप में तथा ८२ पौंड लन्दन से एमस्टरडम का वापसी किराया)

९. प्रोफेसर के० मजुमदार, इतिहास विभाग, नागपुर, विश्वविद्यालय नागपुर; (कोलम्बो में 'स्वरबिका' सम्मेलन में भाग लेने के लिए १,६०० रु०)

१०. डा० विनोद भाटिया, वाई-७७, होज खाज, नई दिल्ली, 'सोवियत रूस के साथ भारत के सम्बन्धों पर द्वितीय विश्व युद्ध का प्रभाव १९४१–४५' (दिल्ली से मास्को तक का वापसी वायुयान किराया)

११. डा० (श्रीमती) मालती शेंडगे, गोमती गेस्ट हाऊस, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, 'सिन्धु लिपि का अर्थ निकालना' (अमरीका में छः महीने ठहरने के लिए अनुरक्षण अनुदान तथा दोनों ओर का वायुयान का किराया)

१२. प्रोफेसर एस० नुरूल हसन, ए-६४, न्यू फ्रेन्ड्स कालोनी नई दिल्ली, 'मध्य युगीन भारतीय इतिहास से सम्बन्धित सामग्री का संग्रह' (पैरिस में ३० दिन ठहरने के लिए अनुरक्षण अनुदान)

१३. प्रोफेसर ए० सी० बोस, प्रोफेसर, इतिहास, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू (बंगला देश में एक सेमिनार में भाग लेने के लिए ५०० रु)

१४. श्री गिरिराज कुमार, पुरातत्वीय संग्रहालय, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (मध्य प्रदेश), उत्तर पश्चिम मालवा का पुरातत्व' (१,००० रु० सीड मनी के रूप में)

१५. कुमारी सुभा लक्ष्मी मंत्री, १३० सराफा, उज्जैन (मध्य प्रदेश) 'प्रारम्भिक काल से १३वीं शताब्दी ए० डी० तक मालवा के मन्दिरों में अालंकारिक मोटिफों कलात्मक विश्लेषण' (१,००० रू० सीडमनी के रूप में)

१६. श्री अखण्ड प्रताप सिंह, भुवनेश्वर नगर कालोनी, वाराणसी, 'समकालीन प्रतिभाएँ तथा उनकी सामाजिक धार्मिक संगतता (१००० रु० सीड मनी के रुप में)

१७. श्री वी० एस० चन्द्र बाबू, इतिहास विभाग, मद्रास क्रिश्चियन कालेज, ताम्बरम, मद्रास, 'तमिलनाडु में सामाजिक विरोध और इसका प्रभाव : १६२५-१६४६' (१,००० रू० सीड मनी के रूप में)

१८. श्रीमती रशीदा जहूर, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, 'खिलाफत आन्दोलन तथा उर्दू साहित्य' (१,००० रू० सीड मनी के रूप में)

१९. श्रीमती सुचेता भिडे चापेकर, १५७५/बी, सदाशिव पेठ, तिलक रोड, पुणे, 'सम्राट शाहजी' (द्वितीय मराठा) तंजावुर के शासक की नृत्य संरचना' (१६८४-१७११ ए०डी०) तथा महाराष्ट्र में नाट्य परम्परा (६,७२० रु०)

२०. श्री शौकतउल्ला खान, इतिहास अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 'गुजरात की मुगल सभा में जमीदार : १७००-१७५०' (५,००० रु०)

२१. श्री एस० के० जोशी, प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग, कर्नाटक विश्वविद्यालय, मारवाड़, 'प्राचीन उत्तरी कर्नाटक में रक्षा वास्तुकला' (४,००० रु०)।

२२. श्री राम पद मण्डल, इतिहास विभाग, रानन्डस कालेज, विष्णुपुर, बाँकुरा, बाँकुरा जिले में आर्थिक परिवर्तन: १७६५-१८५७ (६,००० रु०)

२३. श्री के० एस० मैथ्यू, इतिहास अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, (गोआ में सेमिनार में भाग लेने के लिए ५०० रु०)

२४. श्री शाहब सरमदी, इतिहास में उच्च अध्ययन केन्द्र-अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ 'मनकुतुहल उर्फ नवाब सफी खान का राजा दर्पण: मिर्जा रोशन ज़मीर द्वारा तरजुमा–ए–किताब परिग्रंत; और मिराखान का तुहफर—उल—हिन्द' (८,००० रु०)

२५. डा० डी० सी० भट्टाचार्य, ललित कला विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चन्डीगढ़, 'बौद्ध प्रतिभाशास्त्र के अध्ययन के लिए अप्रकाशित स्रोतों का प्रकाशन' (२,५०० रू०)

२६. श्री अफजल अहमद, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली 'गुजरात तट पर १६वीं शताब्दी में पुर्तगाली व्यापार' (१,००० रू०)

२७. श्री माधव राजेश्वर अम्ले, इतिहास विभाग, नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, ईस्ट इण्डिया कम्पनी की आर्थिक नीति १७५७—१८५६' (५०० रु०)

२८. श्री एम० अस्मईराज, अनुसंधान अध्येता, भारतीय इतिहास विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, मद्रास; 'तमिलों का राजनीतिक आर्थिक तथा सामाजिक जीवन, जैसा कि पुर्तगाली जेसूत पत्रों से पता चलता है' (१,००० रु०)

२९. कुमारी आशालता अगस्टीन, इतिहास विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, मद्रास, '१८५३–१९०३ से अमरीका में सुधारवादी चर्च के आर्काट मिशन की भूमिका' (१,००० रु०)

३०. डा० चिताले वासुदेव, एस० आर० टी०, महाविद्यालय, महाराष्ट्र में सोपरा, चौल, कल्याण तथा थाणे के प्राचीन बन्दरगाहों का ऐतिहासिक, वाणिज्यिक तथा साँस्कृतिक सर्वेक्षण' (३,००० रु०)

३१. श्रीमती झुनु देव, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, '१७६० से १८४० तक कलकत्ता से देशी व्यापार' (२,५०० रु०)

३२. श्री धनपत पटेल दिनेश, १४० बिरला होस्टल, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'प्रारम्भिक मध्य युगीन सोसायटी और नेपाल में कानून' (७४० रु०)

३३. कुमारी विजयलक्ष्मी, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट, केरल, '१४९८ से १७९६ तक केरल में नाबालिगों की विशेषतायें—एक क्षेत्रीय अध्ययन' (१,००० रु०)।

३४. श्री टी० कैलाशम, इतिहास विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, मद्रास, '१९वीं शताब्दी में हस्तकर्घा बुनाई उद्योग' (१,२२५ रु०)।

३५. डा० सूर्यनाथ यू० कामथ, प्राध्यापक, इतिहास, बंगलौर विश्वविद्यालय 'स्वतन्त्र संग्रामदा स्मृतिगालु (स्वतन्त्रता सैनानियों की यादें)' (१,८५० रु०)

३६. श्री वाई० कृष्णन, सी II/५, डा० जाकिर हुसैन मार्ग, बापा नगर, नई दिल्ली-३, 'बौद्ध कला के सम्बन्ध में चुने हुए अनुसंधान कागजातों का प्रकाशन—बौद्ध छवि का उद्भव और बौद्ध प्रतिभाशास्त्र का विकास' (२,५०० रु०)।

३७. श्रीमती के० निर्मला कुमारी. ५६, बेंकटरत्नम नगर, अडयार, मद्रास-२०, 'भारत में १९वीं शताब्दी से १९५६ तक महिलाएं तथा उनके सम्पत्ति अधिकार' (१,३०० रु०)

३८. श्रीमती प्रोमिला कुमारी, द्वारा श्री सुन्दर दास बजाज, म० नं० ७८/५, कटरा मीत सिंह, अमृतसर (पंजाब), '१८९३

से १९३० तक धर्म, समाज और राजनीति के क्षेत्र में श्रीमती एनीबेसंट के योगदान का अध्ययन' (७०० रु०)

३९. श्रीमती स्वर्ण कुमारी, ऐतिहासिक अध्ययन बी० के० केन्द्र जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली–५७, 'केरल में विवाह सुधार: १८५५-१९३३' (२,००० रु०)

४०. श्री विक्रम कबीरा, दि डी० एस० बी० कालेज, कुमायुं विश्व-विद्यालय, नैनीताल, 'ब्रिटिश काल में नैनीताल जिले का प्रशासनिक इतिहास : १८३९-१९४७' (१,५०० रु०)

४१. कुमारी वीणा माथुर, उत्तर स्नातक इतिहास विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, 'सातवीं शताब्दी से १६वीं शताब्दी ए डी तक काश्मीर के सामाजिक-सांस्कृतिक तथा राजनीतिक जीवन में महिलाओं की स्थिति और योगदान' (१,००० रु०)

४२. श्री अरुण कुमार मिश्र, इतिहास विभाग, बिहार विश्व-विद्यालय, मुजफ्फरपुर, 'प्रारम्भिक प्राचीन भारत (प्राचीन-तम काल से ३०० ए० डी० में व्यापारिक समुदाय' १,५०० रु०)

४३. श्री सुभाष चन्द्र मिश्र, इतिहास विभाग, बनारस हिन्दू विश्व-विद्यालय, वाराणसी, 'उत्कलमणि गोपबन्धु : एवं उडीसा सुधार-वादी नेता पण्डित गोपबन्धु दास का जीवन और काल (१८७७-१९२८)' (१५०० रु०)

४४. श्री बी० शंकरन नायर, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम, 'दक्षिण भारत के विशेष संदर्भ में स्वतन्ता आन्दोलन में छात्रों की भूमिका (२,००० रु०)।

४५. डा० पद्मासा, इतिहास विभाग, एम०डी० डी०एम० कालेज, मुजफ्फरपुर (बिहार), 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा मुस्लिम नेता १९४०–४७' (१,५०० रु०)।

४६. श्री चन्द्र एस० पाण्डेय, म०नं० ३३३, लक्ष्मी भवन, अलीनगर, गोरखपुर, चौदहवीं और पन्द्रहवीं शताब्दियों में उत्तरी भारत में सामाजिक तथा धार्मिक जीवन' (१,५०० रु०)।

४७. कुमारी आलोक पाराशर, ए।७१, साऊथ एक्सटेंशन भाग II रिंग रोड़, नई दिल्ली-४६, उत्तरी भारत में मलेच्छों तथा अन्य बाहरी लोगों के साथ बर्ताव का अध्ययन (सी०ए०डी ६००) (१,००० रु०)

४८. श्री बिन्देश्वर राम, व०अ०स०, भा०इ०अ०प०,३५, फिरोज शाह रोड़ नई दिल्ली, 'बिहार में जमींदारी का विकास (१७६५-१८५६): रैयत और जमींदारों तथा ब्रिटिश सरकार के सम्बन्धों का एक समालोचनात्मक विश्लेषण' (२,००० रु०)

४६. श्री ज्ञान प्रकाश, इतिहास विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, 'बिहार में कृषि परिवर्तन: १८८५-१६२५' (५०० रु०)।

५०. श्री बसंत शंकरराव कदम, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर 'उत्तरी भारत में मराठा सरकार—मराठा षडयन्त्र का एक अध्ययन' (१८वीं शताब्दी)' (२,००० रु०)

५१. श्री मोहन सिंह राठौर, अनुसंधान अध्येता, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, समर हिल, शिमला, 'हिमाचल प्रदेश मुगलों के शासन में' (२,००० रु०)।

५२. श्री बी० एस० रामा शास्त्री, इतिहास विभाग, आन्ध्र विश्वविद्यालय, पी० जी० केन्द्र, गुन्टुर आन्ध्र प्रदेश, 'आन्ध्र के प्रारम्भिक इतिहास का विष्णुकुण्डी चरण' (१,५०० रु०)

५३. एच० सी० सत्यार्थी, इतिहास विभाग, बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, बिहार, 'उत्तर भारत का मौर्य पश्चात् का समाज (सी० १८७ बी० सी० से ३१६ ए० डी० )' (८०० रु०)।

५४. कुमारी ग्राभा सक्सेना, इतिहास विभाग, रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर (मध्य प्रदेश), 'भारतीय स्वतन्त्रता ग्रान्दोलन में सर तेज बहादुर सप्रू के विशेष संदर्भ में *उदारवादियों का* योगदान' (२,००० रु०)

५५. श्रीमती शान्ता शुक्ला, इतिहास विभाग, रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर (मध्य प्रदेश), 'छत्तीसगढ़ का सामाजिक तथा ग्रार्थिक इतिहास : १६०१-१६४७' (५०० रु०)

५६. श्री रघुवीर सिंह यादव, इतिहास विभाग, एस० बी० एस० एच० उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर, 'करोली राज्य का सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक ग्रौर ग्रार्थिक इतिहास, १३४८-१६४७' (१,००० रु०)

५७. श्री रविन्द्रनाथ सिंह, १३७ बिरला होस्टल, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'प्राचीन भारतीय सिरेमिक्स तथा काच प्रौद्योगिकी : विश्व के संदर्भ में एक वैज्ञानिक ग्रध्ययन,' (१,१८२ रु०)

५८. श्री उग्रसेन सिंह, ४१, राजा राम मोहन राय होस्टल, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 'उत्तर प्रदेश, में स्वतन्त्रता संघर्ष में (१,००० रु०)

५६. श्री के० सिवादसन प्राध्यापक, राजकीय कालेज, ग्रटिंगल, त्रिवेन्द्रम, केरल, 'संयुक्त ग्रायुक्तों के ग्रधीन मालावार' (१,५००० रु०)

६०. श्री शिव कुमार सोलंकी, द्वारा प्रोफेसर ए० सी० मित्तल, राजकीय कालेज, मद्दापुर, मध्य प्रदेश, 'भारतीय नव जागरण में ग्रार्य समाज का योगदान तथा मध्य प्रदेश पर उसका प्रभाव' (८०० रु०)

६१. श्री भूपेन्द्र एन० श्रीवास्तव, डी-४७/६८ ए, रामपुरा वाराणसी, 'भारत में स्वतन्त्रा ग्रान्दोलन में इलाहाबाद की भूमिका १८८५-१६४७' (२,००० रु०)।

६२. डा० एन० के० जुत्शी, रीडर, पी० जी० इतिहास विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, भारतीय ऐतिहासिक विचारधारा के कुछ पहलू' (५०० रु०)

६३. डा० (श्रीमती) उर्मिला जुत्शी, द्वारा डा० एन० के० जुत्शी, पी० जी० इतिहास विभाग, जम्मू विश्व-विद्यालय, जम्मू, 'भारतीय विचारधारा के कुछ पहलू' (३०० रु०)

६४. श्रीमती रत्ना दास, इतिहास विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कलकत्ता, 'त्रिपुरा के निर्माता के रूप में कला' (१,५०० रु०)

६५. श्री राजपाल सिंह, द्वारा डा० बी० सी० गुहा, अध्यक्ष, प्राचीन इतिहास, गुरुकुल विश्वविद्यालय, हरिद्वार (उत्तर प्रदेश), प्राचीन भारत में आपराधिक कानून का विकास' (१,५०० रु०)

६६. श्री शशि जोशी, ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-५७, 'भारतीय साम्यवादी पार्टी की वैचारिक उत्पत्ति तथा विकास: १९२०—३५' १,५०० रु०)

६७. कुमारी मन्दिर मिश्रा, के–३७ डी०, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-४८, '१८वीं शताब्दी के महाराष्ट्र में वेतनदारों की स्थिति' (१,५०० रु०)

६८. डा० जमीरुद्दीन सिद्दीकी, रीडर, इतिहास विभाग, सैन्टर आफ एडवांस स्टडीज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, '१८वीं शातब्दी के दौरान भारत में मुस्लिम धार्मिक आन्दोलन' २,००० रु०)

६९. श्री के० के० त्रिवेदी, अनुसन्धान सहायक, इतिहास विभाग, अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, '१७बी शताब्दी में आगरा सूबा (१५९२-१७०७)' (१,००० रु०)

७०. डा० भगवान दास गुप्ता, इतिहास विभाग, बुन्देलखंड (स्नातकोत्तर) कालेज, झाँसी, उत्तर प्रदेश, 'बुन्देलखण्ड के मध्ययुगीन और आधुनिक इतिहास के समकालीन स्रोत, (१५३१–१८५७)' (२,००० रु०)

७१. डा० सुषमा वर्मा, सेनापति बापट मार्ग, पूना, 'महाराष्ट्र में माउन्ट स्टार्ट एलफींसटन' (५०० रु०)

७२. श्रीमती उर्मिला भगवालिया, आई० पी० कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 'उत्तरी भारत में वैष्णववाद का विकास और सामाजिक प्रभाव : ७००-१२०० ए० डी०' (५०० रु०)।

७३. श्री अजय अग्निहोत्री, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, गोहद के जाटों का राजनैतिक एवं साँस्कृतिक इतिहास ए० डी० १५०५-१९४७' (२,००० रु०)

७४. श्रीमती सुलतान जहान अहमद, यादवपुर विश्वविद्यालय, कलकत्ता, पश्चिम बंगाल, 'मिदनापुर के मुसलमानों का सामाजिक इतिहास : बंगाल के एक जिले का अध्ययन १८००-१९१९)' (१,५०० रु०)

७५. डा० मुजफ्फर आलम, ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान केन्द्र, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 'अवध और पंजाब के मुगल प्रान्तों में शाही पद्धति का समाप्त होना' (१,५०० रु०)

७६. कुमारी गीता बाजपेयी, सी-३७५, इतिहास विभाग, बड़ौदा विश्वविद्यालय, बड़ौदा 'संक्रमणकाल में बड़ौदा : (१८६०-१८८४)' (१,५०० रु०)

७७. श्री विश्वबन्धु भट्टाचार्य, कटवा कालेज क्वार्टर्स, कटवा बर्दवान, पश्चिम बंगाल, 'बंगला राजनीतिक उपन्यासों के कुछ चरण (१८८३-१९४५)' (१,३२९ रु०)

७८. कुमारी ईरा चौधुरी, २०बी/१/एन, भदुपुरा, वाराणसी-२२१००१, (उत्तर प्रदेश), 'ईलबर्ट बिल आन्दोलन, १८८३-१८८४' (३५० रु०)

७९. कुमारी एम० गिरिजा देवी, द्वारा डा० जी० ईथीरायालु विंध्या, गुण्टुर (आन्ध्र प्रदेश), 'आन्ध्र देश में बौद्ध धर्म, (२,००० रु०)

८०. प्रोफेसर एस० सी० दत्ता, इतिहास विभाग, लेडी कीन्स गर्ल्स कालेज, शिलांग, 'उत्तर-पूर्व भारत के साथ मुगल सम्बन्ध—१६६१-१७१४ (१५०० रु०)

८१. श्री एस०डी० गजरानी, गुरु नानक विश्वविद्यालय, के अधीन प्राध्यापक, पी०एच०डी० के लिए जवाहर लाल नेहरू विश्व-विद्यालय से संबद्ध 'पंजाब में स्वतन्त्रता संग्राम में कृषकों की भूमिका और कृषि समस्याओं के कुछ पहलू (१९२०-४५)' (२,००० रु०)

८२. श्रीमती सुमित्रा गांगुली, द्वारा एल० मुखर्जी, १६ अशोक नगर पूना–७, 'तीसरा एंग्लो-मराठा युद्ध (नीति तथा उपाय)' (८५३ रु०)।

८३. श्री के० एल० गुप्ता, इतिहास विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, '१९०१ के बाद से जम्मू प्रान्त का सामाजिक इतिहास' (१,५०० रु०)

८४. श्री अफजल हुसैन, अनुसंधान सहायक, इतिहास विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, 'मुगल राजनीति में अभिजात्यों के परिवार वर्ग (१५२६-१६२७)' (१,००० रु०)

८५. श्री रजनी एन० झा, मुजफ्फरपुर, बिहार, 'राम दयालु सिंह बिहार का एक तेज स्वतन्त्रता सैनानी (१,००० रु)

८६. श्री के० गुण्डा जोयस, अकैक्यूरेटर तथा निदेशक, केलाडी संग्रहालय तथा ऐतिहासिक अनुसंधान ब्यूरो, केलाडी, कर्नाटक, 'केलाडी नृप्पा विजयम का अंग्रेजी में अनुवाद' (२,५०० रु०)।

८७. श्री के०एल जुटेजा, बी टी एच-६, विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र कैम्पस, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय 'सिख राजनीति १९२०-४०' (२,००० रु०)

८८. आर०एल० मल्होत्रा, रीडर, इतिहास, इतिहास विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ 'पर्सो-अफगान सीमा बस्तियाँ, १८७०-१८९०' (२,००० रु०)

८९. डा० के० जी० बंसत माधव, प्राध्यापक, इतिहास, बजय कालेज, मुल्की एस०के० कर्नाटक राज्य, 'कनारा में धर्म १५००-१७६३' (१,५०० रु०)।

९०. श्री शेख मस्तान, अनुसंधान अध्येता, तेलुगु विभाग, नागार्जुन विश्वविद्यालय, नागार्जुन सागर-१०, जिला गुन्टूर आन्ध्र, 'तेलुगु साहित्य में मुसलमानों का योगदान' (२००० रु०)

९१. श्री के०एस० मैथ्यू, १६३ कावेरी होस्टल, न्यू कैम्पस, ज०ने० विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-५७, '१६वीं शताब्दी के प्रारम्भ में मालाबार तट पर पुर्तगाली व्यापार, १५,००-१५३०' (२५०० रु०)।

९२. श्री डी० एस० मिश्र, मायसोल-१२, शंकर नगर, रायपुर, मध्य प्रदेश स्वतन्त्रता आन्दोलन में महाकौशल के समाचार-पत्रों की भूमिका' (७५२ रु०)

९३. श्री पी० एल० मिश्र, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, विदर्भ महाविद्यालय, अमरावती, 'छत्तीसगढ़ के राजा तथा प्रधान १८५४-१९४६' (६१२ रु०)

९४. श्री टी० एन० मिश्र, कला इतिहास विभाग, व० ही० विश्वविद्यालय वाराणसी, (प्राचीन भारतीय ईटों का अध्ययन' १,५०० रु०)

९५. श्री पी० के० मिश्र, रीडर, पी० जी० इतिहास विभाग, सम्बलपुर विश्वविद्यालय सम्बलपुर, उड़ीसा, 'आधुनिक उड़ीसा के राजनीतिक और सामाजिक इतिहास का अध्ययन (१९३७-१९६७), (२,००० रु०)

९६. श्री एस० सी० मिश्र, द्वारा डा० बी० कानूनगो, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, ए/६, प्रिंसीपल कालोनी, ब० हि० विश्वविद्यालय, वाराणासी-५ 'उत्कलमणि गोपबन्धु-पण्डित गोपबन्धु दास का जीवन और काल १८७७-१९२८' (२००० रु०)

९७. श्री वी० मालेश्वर राव, अनुसंधान अध्येता, राजनीति तथा लोक प्रशासन विभाग, आन्ध्र विश्वविद्यालय वाल्टेयर, 'जिला विजगापट्टम में भू राजस्व प्रशासन १८५८-१९४८' (१,५०० रु०)

९८. श्री वी० लक्ष्मण रेड्डी, अध्यक्ष, तेलुगु विभाग, वा० के० आर० कालेज, बढाव सरम, गोनावरम, जिला कृष्णा, आन्ध्र प्रदेश, 'तेलुगु पत्रकारिता तथा भाषा का विकास' (२५० रु०)

९९. श्री केसरी एन० सहाय, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, चतरो कालेज, चतरा जिला हजारीबाग, बिहार, 'छोटा नागपुर में लौह तथा इस्पात उद्योग इसके विकास तथा समस्याओं का एक अध्ययन' (१,२०० रु०)

१००. श्रीमती सत्यवती शर्मा, इतिहास विभाग, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी, 'बुन्देलखण्ड में अंग्रेजी प्रभुसत्ता की स्थापना और विकास, (१८०३-५७) (२,५०० रु०)

१०१. कुमारी जेनोलिआई० शोफ, के-विला, मालकम बंग जोगेश्वरी (पश्चिम) बम्बई-६०, 'पश्चिम भारत में जागृति : सर फिरोजशाह मेहता', १८४५-१९१५)' (८६५ रु०)

१०२. श्री आई० एच० सिद्दीकी, रीडर, सैन्टर ऑफ एडवांस स्टडीज, इतिहास विभाग, अ० मु० विश्वविद्यालय, अलीगढ़, 'तारीख-ए-सादरी जहान' (२७१ रु०)

१०३. श्री एस० श्रीनिवासन, नं०९, द्वितीय मुख्य रोड, राजा अन्नामलाईपुरम, मद्रास-२८, 'तिरुकोईलूर का इतिहास : प्राचीन काल से १६०० ए०डी०' (१,५०० रु०)

१०४. डा० बी० सोभानन, उत्तर-डॉक्टोरल अनुसंधान फैलो, इतिहास विभाग, केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम, 'केरल में ब्रिटिश शक्ति का विकास १६९५-१८५८' (२,५०० रु०)

१०५. श्री बी० सुब्रामण्यम, अनुसंधान अध्येता, तेलुगु बिभाग, नागार्जुन विश्वविद्यालय, नागार्जुन नगर, आन्ध्र प्रदेश, 'तेलुगु साहित्य में पुरातत्व खेलों, खेल कूद और मनोरंजन कार्यकलापों का सामाजिक-सांस्कृतिक अध्ययन, (२,००० रु०)

१०६. श्री ए० स्वीमानाथन, सहायक प्रोफेसर, इतिहास, प्रेसीडेंसी कालेज, मद्रास, 'शाही चोलों के अधीन साविइम (ए०डीं० ८५०-१३००)' (१,५०० रु०)

१०७. कुमारी मंजू तिवारी, द्वारा श्री ओ० पी० तिवारी, स्ट्रीट, कैथल, हरियाणा, '१८५७ की क्रान्ति और इतिहासकार' (दो सप्ताह के लिए नियमानुसार यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता)

१०८. कुमारी सरिता तिवारी, शान्ति नगर, नई सड़क, ग्वालियर (मध्य प्रदेश), 'ग्वालियर के सिंधिया शासकों का राजस्व प्रशासन' (१,५०० रु०)

१०६. श्री ओ०एन० त्रिपाठी, ए-३, फर्स्ट फ्लोर, निराला नगर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश), 'प्राचीन भारत (वैदिक काल से मौर्य काल के अन्त तक) में कराधान और वित्तीय प्रशासन का विकास' (१,५०० रु०)

११०. डा० (श्रीमती) चन्द्रमणि सिंह, एम० एस० मानसिंह ११ संग्रहालय, सिटी पेलेस, जयपुर, 'मध्ययुगीन भारतीय नक्शे' (३,००० रु०)

१११. श्री वीरेन्द्र कुमार वर्मा, बी-२३ डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली-२४, 'क्रिश्चियन काल की प्रथम तीन शताब्दियों के दौरान सिक्के तथा आर्थिक स्थितियाँ' (१,५०० रु०)

११२. श्री सोमेन्द्र वशिष्ठ, ४ स्टाफ क्वाटर्स, एन० आर० ई० सी० कालेज, खुर्जा, (उत्तर प्रदेश), १७७२ से १८५७ ए० डी० तक भारत और नैपाल के बीच व्यापार तथा व्यापार मार्ग' (२,००० रु०)

११३. श्री के० चन्दोला, इतिहास विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़, 'गढ़वाल तिब्बत सामाजिक-आर्थिक सम्बन्ध (१८६०-१९५९)' (१,५०० रु०)

११४. कुमारी वी० विजय लक्ष्मी, अनुसंधान अध्येता, इतिहास विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट, '१४९८से १७०० तक केरल

के नाबालिगों की विशेषताएँ एक क्षेत्रीय अध्ययन (१,००० रु०)

११५. डा० सुधाकर एस० मोगीलेश्वर, केशवराव बूटी रोड, सीताबर्डी, नागपुर (महाराष्ट्र), 'बसावाशवर और ज्ञानेश्वर-ऐतिहासिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक पहलुओं का एक तुलनात्मक अध्ययन' (१,००० रु०)

## परिशिष्ट—V

### एतिहासिक कृतियों के प्रकाशन के लिए आर्थिक सहायता

आलोच्य वर्ष के दौरान निम्नलिखित शोध निबन्धों/रिपोर्टों/कार्यवाहियों पाण्डुलिपियों/शोध पत्रिकाओं के प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायतार्थ अनुमोदन किया गया:

१. श्री सी०सी० पटनाटक प्रिंसीपल, व्यासनगर कालेज, जयपुर रोड जि० कटक, उड़ीसा, 'उड़ीसा में ब्रिटिश आर्थिक नीति के कुछ पहलू: १८८६-१९०५'

२. डा० एस राजगुरू लक्ष्मीनाथ बेजबरूआपाथ, दक्षिण हेबरगांव पो नवगांव, असम, समकालीन जीवनियों तथा ऐतिहासिक साहित्य के अनुसार मध्यकालीन असमी सोसायटी:''।

३. डा०विश्वरूप दास, इतिहास विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, कटक 'उड़ीसा के भाउनाकार'

४. श्री महादेवी चक्रवती, पो० तरकसवार, हुगली प० बंगाल, 'प्राचीन भारत में रुद्र शिव'

५. डा० पिंकी रंजन महापात्र, ग्राम तथा पो० सविता, जि० मिदनापुर प० बंगाल 'उड़ीसा के आर्थिक जीवन के कुछ पहलू: १६वीं शताब्दी के मध्य से १८वीं शताब्दी तक'

६. डा० आर०एम० वासुदेव, राजकीय कालेज, धर्मशाला, कांगडा हिमाचल प्रदेश, 'जोनाराजा की राजतरंगी'

७. प्रोफेसर के० आर० 'हनुमन्थन' अध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै, तमिलनाडु "तमिलानाडु में अस्पृश्यता" (१५०० ए डी तक प्राचीन तथा मध्यकाल)'

८. डा० टी० आर० डीसूजा, डे नेबिली कालेज, पुणे ४११०१४, '१७वीं शताब्दी में गोआ'

९. डा० (श्रीमती) भारगवी शिवैयह, १९५, रोड़ ७, नेहरूनगर (पश्चिम), सिकन्दराबाद २६ आ०प्र० "कृष्णादेवर्य—उनका जीवन और उपलब्धियां"

१०. डा० आर० जी० पांडे, ई–४ प्रोफेसर कालोनी बेतुल म०प्र० महदजी शिंदे तथा पूना दरबार'

११. डा० (श्रीमती) उर्मिला भर्गावलिया कपूर, सी-११ इन्द्रप्रस्थ कालेज, अलीपुर रोड, दिल्ली, ११०००५४, उत्तरी 'भारत में वैष्णववाद का विकास तथा सामाजिक प्रभाव: ७००-१२०० ए०डी०

१२. डा० बरुण कुमार मुखर्जी, फ्लेट नं० सी/७/३, ३९ ए गोविन्द अली रोड, कलकत्ता ७०००२७, 'मुद्रित बंगाली पुस्तकों का प्रारम्भिक काल'।

१३. डा० नारायण प्रसाद सिंह, इतिहास विभाग, आर डी एस कालेज, मुजफ्फरपुर, बिहार, 'बिहार उद्योगों में ईस्ट इण्डिया कम्पनी का एकाधिकार १७७३-१८८३'

१४. स्वर्गीय डा० चक्रधर झा, २/१ श्री कृष्णपुरी, पटना 'प्राचीन भारत में कानून का सिद्धान्त और परिकल्पना'

१५. प्रोफेसर पी०एस० जोशी, अध्यक्ष, इतिहास विभाग किर्ति कालेज, दादर, बम्बई ४०००२८, 'छत्रपति सम्भाजी (१६५७-८९)'

१६. डा० एस० पी० गुप्ता, आयोजन सचिव, भारतीय इतिहास तथा संस्कृति सोसायटी, राष्ट्रीय संग्रहालय जनपथ, नई दिल्ली 'भारतीय इतिहास तथा संस्कृति सोसाइटी के वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही'

१७. प्रोफेसर एस०एस० बल, अध्यक्ष इतिहास विभाग तथा निदेशक पंजाब इतिहास अध्ययन पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला 'पंजाब इतिहास सम्मेलन के १३वें अधिवेशन की कार्यवाही'

१८. डा० ग्रार० के० शर्मा प्रिंसीपल प्राच्य निकेतन बिरला संग्रहालय भोपाल 'मध्यप्रदेश इतिहास परिषद की पत्रिका'

१९. श्री जे०एन० ग्रसोपा, ग्रवै० सचिव, राजस्थान इतिहास काँग्रेस, जयपुर, 'जयपुर की सांस्कृतिक परम्परा संबंधी सेमिनार की कार्यवाही'' ।

२०. सचिव, भारतीय इतिहास काँग्रेस, नई दिल्ली, भारतीय इतिहास काँग्रेस १९७७ के भुवनेश्वर ग्रधिवेशन की कार्यवाही'

'भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस (१९७६) के कालीकट ग्रधिवेशन की कार्यवाही' प्रकाशित करने के लिए ग्रार्थिक सहायता की स्वीकृति के संबंध में वर्ष १९७७-७८ की वार्षिक रिपोर्ट के परिशिष्ट-V की मद संख्या १९ के ग्रन्तर्गत उल्लेख किया जा चुका है । ग्रालोच्य वर्ष के दौरान इस मद के लिए ग्रतिरिक्त ग्रार्थिक सहायता स्वीकृत की गई ।

ऊपर मद संख्या १४ के संबंध में ग्रार्थिक सहायता की स्वीकृति इस शर्त पर है कि कार्य का संतोषजनक ढंग से पुनरीक्षण किया जाए।

ग्रालोच्य वर्ष के दौरान शोध निबंधों/पाण्डुलिपियों शोध पत्रिकाग्रों ग्रादि के प्रकाशन के लिए ग्रार्थिक सहायता के रूप में १,२१,९०० रुपये स्वीकृत किए गए । इसमें वर्ष के दौरान स्वीकृत १,१०,००० रुपये की राशि भी शामिल है ।

## परिशिष्ट--VI

### इतिहासकारों के अकादमिक संगठनों को अनुदान

वर्ष के दौरान निम्नलिखित संस्थाओं को अनुदान स्वीकृत किए गए :

१. दर्शन विभाग, पूना विश्वविद्यालय, पुणे 'इतिहास के दर्शन' पर सेमिनार आयोजित करने के लिए ।

२. पुरातत्व विभाग, पूना विश्वविद्यालय, पूना को 'भारत-प्रशान्त पूर्व इतिहास में हाल ही की प्रगति' के संबंध में १९ से २२ दिसम्बर १९७८ तक संगोष्ठी आयोजित करने के लिए ।

३. आन्ध्र इतिहास काँग्रेस, नागार्जुन विश्वविद्यालय, नागार्जुन नगर, आन्ध्र प्रदेश १२ और १३ अगस्त १९७८ को आन्ध्र इतिहास काँग्रेस का तीसरा अधिवेशन आयोजित करने के लिए ।

४. भारतीय इतिहास काँग्रेस, नई दिल्ली, भारतीय इतिहास काँग्रेस के हैदराबाद में ३९वें अधिवेशन में भारतीय इतिहास में विचारों के सामाजिक आधार पर संगोष्ठी आयोजित करने के लिए ।

५. वैदिक संशोधन मंडल, पुणे, 'पुरातत्व तथा इतिहास के समन्वय से त्याग संस्थाएँ विषय' पर एक सेमिनार आयोजित करने के लिए ।

६. प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग, पटना विश्वविद्यालय पटना : बिहार इतिहास परिषद के पटना में दूसरे अधिवेशन में 'बिहार के विशेष संदर्भ में सामाजिक इतिहास की समस्याओं' पर संगोष्ठी आयोजित करने के लिए ।

७. भारतीय इतिहास तथा संस्कृति सोसायटी' राष्ट्रीय संग्रहालय नई दिल्ली 'भारतीय इतिहास में पक्षपात' पर एक सेमिनार आयोजित करने के लिए।

८. पौराणिक सोसायटी, नरूपटुँगा रोड़, बंगलौर : भारतीय पुरालेखशास्त्र सोसायटी की पाँचवीं वार्षिक काँग्रेस आयोजित करने के लिए।

९. इतिहास तथा पंजाब इतिहास संबंधी अध्ययन विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला को पंजाब इतिहास सम्मेलन का पटियाला में १३वाँ अधिवेशन आयोजित करने के लिए।

१०. मध्य प्रदेश इतिहास परिषद, भोपाल 'ब्रिटेन के साथ मध्य भारत के शाही राज्यों के संबंध'

११. राजस्थान अध्ययन केन्द्र, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, 'राजस्थान के विशेष संदर्भ में पश्चिमी भारत में सामाजिक प्रणाली के विकास में विशिष्टता तथा सामान्यता (१७वीं से १९वीं शताब्दी तक)' पर सेमिनार आयोजित करने के लिए।

१२. नेताजी सुभाष ब्यूरो, ३८/२, लाला लाजपत राय रोड़, कलकत्ता, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के संबंध में तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित करने के लिए।

१३. अरबी तथा फारसी अनुसंधान संस्थान टोंक, राजस्थान, 'भारतीय इतिहास के अप्रकाशित फारसी स्रोतों' पर एक सेमिनार आयोजित करने के लिए।

१४. बर्दमान विश्वविद्यालय, बर्दमान, प० बंगाल १८ से २० दिसम्बर १९७८ तक भारतीय मुद्राशास्त्रीय सोसायटी का ६६वाँ अधिवेशन आयोजित करने के संबंध में हुए खर्च का एक भाग पूरा करने के लिए।

वर्ष के दौरान ८४,५९० रुपये स्वीकृत किए गए तथा इतिहासकारों के व्यवसायिक संगठनों को सहायता की योजना के अन्तर्गत २०,७०० रुपए जारी किए गए।

## परिशिष्ट-VII

३१.३.१९७९ की स्थिति के अनुसार
**परिषद के स्टाफ की स्वीकृत संख्या**

१. सदस्य-सचिव
२. सचिव
३. निदेशक
४. उप सचिव
५. कार्यकारी सम्पादक
६. प्रबन्धक (प्रकाशन)
७. *सम्पादक-एवं-परियोजना अधिकारी*
८. प्रशासनिक अधिकारी
९. लेखा अधिकारी
१०. वरिष्ठ व्यावसायिक
११. जूनियर व्यावसायिक
१२. अनुसंधान अधिकारी
१३. कापी संपादक
१४. सहायक संपादक
१५. सहायक उत्पादन अधिकारी
१६. पुस्तकालय अध्यक्ष
१७. आशुलिपिक गेड-१
१८. अधीक्षक (प्रशासन)
१९. अधीक्षक (लेखा)
२०. बरिष्ठ अनुसंधान सहायक
२१. संपादकीय सहायक
२२. उत्पादन सहायक
२३. वरिष्ठ आशुलिपिक
२४. पुस्तकालय सहायक

| | | |
|---|---|---|
| २५. | तकनीकी सहायक | १ |
| २६. | सहायक | ६ |
| २७. | केग्रर टेकर | १ |
| २८. | जूनियर लेखाकार–एवं–रोकड़िया | १ |
| २९. | प्रूफ रीडर | १ |
| ३०. | कापी होल्डर | १ |
| ३१. | सदस्य सचिव का निजी सचिव | १ |
| ३२. | यू०डी०सी० | २ |
| ३३. | लेखा लिपिक | ५ |
| ३४. | जूनियर ग्राशुलिपिक | ७ |
| ३५. | ग्रवर श्रेणी लिपिक | २२ |
| ३६. | जेरोक्स ग्रापरेटर | १ |
| ३७. | स्टाफ कार ड्राईवर | १ |
| ३८. | ब्राडमा ग्रापरेटर | १ |
| ३९. | गेस्टेटनर ग्रापरेटर | १ |
| ४०. | चौकीदार | २ |
| ४१. | पुस्तकालय परिचर | १ |
| ४२. | फराश एवं चपरासी | १४ |
| ४३. | सफाई कर्मचारी (स्वीपर) | २ |
| | जोड़ | ११० |

## लेखा परीक्षा प्रमाण पत्र

मैंने, भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के पूर्ववर्ती लेखों और तुलना-पत्र की जाँच कर ली है। मुझे सभी अपेक्षित सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त हो गए हैं। अपनी लेखा-परीक्षा और अपनी अधिकतम जानकारी और प्राप्त हुए स्पष्टीकरणों तथा परिषद् की पुस्तकों की जाँच के आधार पर मैं प्रमाणित करता हूँ कि ये लेखे और तुलन पत्र उचित ढंग से तैयार किये गये हैं और परिषद् की कार्य स्थिति का सही विवरण प्रस्तुत करते हैं।

नई दिल्ली
दिनांक १८ फरवरी, १९८०

ह० किशोरी चरण दास
निदेशक, लेखा परीक्षा
केन्द्रीय राजस्व

**भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के वर्ष १९७८-७९ के लेखों के सम्बन्ध में लेखा परीक्षा रिपोर्ट**

**१ सामान्य**

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद का गठन, जो सोसायटीज पंजीकरण अधिनियम १८६० के अधीन पंजीकृत एक संस्था है, २७ मार्च १९७२ को किया गया था। परिषद् के लिए धन की व्यवस्था मुख्यतः भारत सरकार से अनुदानों द्वारा की जाती है और आलोच्य वर्ष के दौरान परिषद को ३०-४४ लाख रुपए का सहायक अनुदान प्राप्त हुआ।

**२. वर्ष १९७८-७९ के लिए तुलन पत्र**

**२.१ फर्नीचर तथा कार्यालय उपस्कर : ४,६३,७७४ रुपए**

उपस्कर की खरीद के लिए नवम्बर १९७८ में दिए गए ३,५८३ रुपए के पेशगी धन को तुलन-पत्र में दिखाए गए फर्नीचर और कार्यालय उपस्कर के मूल्य में शामिल किया गया है यद्यपि यह उपस्कर वर्ष के दौरान प्राप्त नहीं हुआ है।

**२.२ भा०इ०अ०प० का प्रकाशन**

परिषद ने मार्च १९७४ से "दि इंडियन हिस्टोरिकल रिव्यू" नामक एक अर्ध वार्षिक अनुसंधान पत्रिका का प्रकाशन शुरू किया है जिसका विक्रय मूल्य व्यक्तियों तथा संस्थाओं के लिए क्रमशः ३० रुपये तथा १५ रुपये है। परिषद ने १.४६ लाख रुपये (प्रशासनिक खर्च के अलावा) खर्च किए और सात अंक प्रकाशित किए। ३१ मार्च १९७९ को परिषद वितरकों के पास पत्रिका की ०.९८ लाख रुपये लागत की ४,७५३ प्रतियाँ अनबिकी पड़ी थीं जिन्हें तुलन पत्र में एक सम्पत्ति के रूप में नहीं दिखाया गया है।

ह० के० सी० दास
निदेशक
लेखा परीक्षा
केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली
१८ जनवरी १९८०

**भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् का मार्च, १९७९ में समाप्त होने वाले वर्ष का प्राप्ति तथा संवितरण का लेखा**

| प्राप्ति शीर्ष | राशि | राशि | संवितरण शीर्ष | राशि | राशि | राशि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
| | | | | आयोजनतर | योजनागत | |
| **१. १.४.७८ को प्रारम्भिक रोकड़ वही** | | | १—(क) प्रशासन | | | |
| (क) रोकड़ हाथ में | ३,९२८ | | (i) अधिकारियों के | | | |
| (ख) रोकड़ बैंक में | २,११,८९३ | २,१५,८२१ | वेतन-भत्ते | २३,६९७ | ४८,३१४ | |
| **२. वर्ष के दौरान भारत सरकार से प्राप्त अनुदान** | | | (ii) कर्मचारियों के | | | |
| (i) भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् | | | वेतन-भत्ते | १,५०,१९२ | १,०४,४९४ | |
| आयोजनेतर | ५,८६ ००० | | (iii) चिकित्सा व्यय | ५,८२१ | २,७२३ | |
| आयोजनागत | २०,००,००० | | (iv) अधिकारियों तथा कर्म- | | | |
| (ii) **विशेष परियोजनाएँ** | | | चारियों के यात्रा-भत्ते | ८,१३५ | २,१४९ | |
| (क) अनुवाद परियोजना | १,०४,००० | | (v) अवकाश वेतन | | | |
| (ख) स्वतन्त्रता की ओर | ३,५३,९३९ | ३०,४३,९३९ | तथा पेंशन | ११,४४४ | ४,०९८ | |

| १ | २ | ३ |
|---|---|---|
| ३. अन्य स्रोतों से अंशदान | | |
| **अन्य प्राप्तियाँ** | | |
| १. पुस्तकों की बिक्री एवं रायल्टी : | | |
| (क) आयोजनागत | ३४,६६२ | |
| (ख) अनुवाद परियोजना | १६,५१५ | ५१,१७७ |
| २. विविध प्राप्तियाँ : | | |
| (क) आयोजनेतर | २३१ | |
| (ख) आयोजनागत | ३३,९४४ | |
| (ग) अनुवाद परियोजना | ३०० | |
| (घ) भारतीय संस्कृति पर स्रोत ग्रंथ | १३२ | |
| (ङ) स्वतन्त्रता की ओर | १,३७२ | ३५,९७९ |
| ३. **केन्द्रीय स्वास्थ्य योजना पेशगियों का समायोजन** | | १७५, ८७, ३३१ |
| (क) परिषद के कर्मचारियों को पेशगियाँ : | | |
| (i) त्यौहार पेशगियाँ : | ७,७६० | |

| ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|
| (vi) अंशदायी भविष्य-निधि में नियोजक का अंश | ७,९२६ | ६,०३४ | |
| योग प्रशासन | २,०७,१८५ | १,६७,८१२ | ३,७४,९९७ |
| **(ख) अकादमिक** | | | |
| (i) अधिकारियों के वेतन भत्ते | ५९,४०२ | ५५-०१५ | |
| (ii) कर्मचारीवृंद के वेतन भत्ते | ७९,७५२ | ८९,६७० | |
| (iii) चिकित्सा व्यय | २,६१५ | २,३६६ | |
| (iv) अधिकारियों तथा कर्मचारीवृंद के यात्रा भत्ते | ६,५९५ | ५,४४८ | |
| (v) अवकाश वेतन तथा पेंशन अंशदान | — | ९५२ | |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (ii) समुद्री/तूफानग्रस्त पेशगियाँ | २,५२५ | | (vi) अंशदायी भविष्य निधि में नियोजक का अर्थ | ६,७२३ | ६,५४८ | |
| (iii) प्रतिनियुक्ति पर आए व्यक्तियों को छुट्टी वेतन की पेशगी | | | योग | १,५५,०८७ | १,५९,९९९ | ३,१५,०८६ |
| (क) आयोजनेतर | ३,६१० | | **प्रलेखन केन्द्र** | | | |
| (ख) स्वतंत्रता की ओर | १,४९५ | ५,१०५<br>१५,३९० | (i) अधिकारियों के वेतन भत्ते | — | ५२,१७६ | |
| **(ख) अन्य पेशगियां :** | | | (ii) कर्मचारियों के वेतन भत्ते | — | ४१,२९६ | |
| (१) अध्यक्ष का कार्यालय | | | (iii) चिकित्सा व्यय | — | ६२१ | |
| (२) अनुवाद परियोजना | ३९,९४९ | | | | | |
| (३) भारतीय संस्कृति पर स्रोत ग्रन्थ | ११८ | ४०,०६७ | (iv) अधिकारियों तथा कर्मचारियों के यात्रा भत्ते | — | ३,७६३ | |
| **(ग) आकस्मिक पेशगियाँ** | | | (v) अवकाश वेतन तथा पेंशन अंशदान | — | ९८१ | |
| (१) मेसर्ज डी०ए०वी०पी० | ३,८५१ | | | | | |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (२) मैसर्ज के०पी० बागची एण्ड कम्पनी | ८,३०२ | १२,१५३ | (vi) अंशदायी भविष्य निधि में नियोजक का अंश | — | ५,०८७ | |
| संशय लेखा | २,०१७ | २,०१७ | | | | |
| | | | योग प्रलेखन केन्द्र | — | १,०३,९२४ | १,०३,९२४ |
| | | | (घ) प्रकाशन | | | |
| | | | (अ) प्रकाशन केन्द्र | | | |
| | | | (१) अधिकारियों के भत्ते | — | १६,७२१ | |
| | | | (२) कर्मचारियों के वेतन भत्ते | — | ६०,८५० | |
| | | | (३) चिकित्सा व्यय | — | १,१०० | |
| | | | (४) अधिकारियों तथा कर्मचारियों के यात्रा भत्ते | — | ३,०७८ | |
| योग | | ३४,१६,७१८ | (५) अंशदायी भविष्य निधि में नियोजक का अंश | — | ७,३४८ | |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पिछला योग | | ३४,१६,७१८ | (६) अवकाश वेतन तथा पेंशन अंश-दान | — | ६८ | |
| | | | | | ८९,१६५ | |
| | | | (ब) परिषद के प्रकाशन | | | |
| | | | (१) भा०इ०अ०प० की पहल पर तैयार की गई पाण्डुलिपि | — | ४,९९१ | |
| | | | (२) शोध पत्रिका का प्रकाशन (परिषद) | — | ३९,३७६ | |
| | | | योग परिषद् के प्रकाशन | — | ४४,३६७ | |
| | | ३४,१६,७१८ | योग भा० इ०अ०प० के प्रकाशन | — | | १,३३,५३२ |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पिछला योग | | ३४,१६,७१८ | (ङ) अन्य व्यय | | | |
| | | | (१) पुस्तिका, नियमावली वार्षिक विवरण और समाचार पत्रों की छपाई | १७,७२७ | — | |
| | | | (२) विविध बैठकों के यात्रा भत्ते | २४,२०१ | ८,५८८ | |
| | | | (३) समाचार-पत्रों व पत्रिकाओं के क्रय पर व्यय | १४,७१८ | — | |
| | | | (४) लेखा परीक्षा शुल्क | १०,८६५ | — | |
| | | | योग अन्य व्यय | ६७,५११ | ८,५८८ | ७६,०९९ |
| | | | (च) कार्यालय के खर्च | | | |
| पिछला शेष | | ३४,१६,७१८ | (१) विविध आकस्मिक | ५५,७८० | ७३,७८८ | |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पिछला शेष | | ३४,१६,७१८ | (२) भवन का किराया | ८२,७२१ | ५१,०२३ | |
| | | | | १,३८,५०१ | १,२४,८११ | २,६३,३१२ |
| | | | **II. राज्य विधान मंडल एकक** | | | |
| | | | (१) मुद्रण व्यय | — | ३,२५६ | |
| | | | (२) विविध आकस्मिक | — | १०५ | |
| | | | | | ३,३६४ | ३,३६४ |
| | | | **III. मध्य एशिया की सभ्यता का अध्ययन** | — | ६,३६६ | ६,३६६ |
| | | | **४. सहायता अनुदान कार्यक्रम** | | | |
| | | | (१) अनुसंधान परियोजनाएँ | — | २,११,४३४ | |
| | | | (२) शोध वृत्तियाँ | — | ४,६७,६६६ | |
| | | | (३) प्रकाशन अनुदान | — | १,२०,०४८ | |
| | | ३४,१६,७१८ | (४) अकादमिक संगठनों को सहायता | — | ३६,३५० | |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पिछला शेष | | ३४,१६,७१८ | (५) सर्वेक्षण | — | १८ | |
| | | | (६) परिसंवाद, गोष्ठियाँ और सम्मेलन | — | ६६,३१३ | |
| | | | योग-सहायता अनुदान कार्यक्रम | — | ६,३५,१३२ | ६,३५,१३२ |
| | | | **५. परिसंवाद, गोष्ठियाँ और सम्मेलन** | | | |
| | | | (१) भाग लेने वालों को अदा किए गए यात्रा भत्ते | — | १,६०६ | |
| | | | (२) अन्य संगठनों को अनुदान | — | ८७,४०० | |
| | | | योग | — | ८६,३०६ | ८६,३०६ |
| | | | **६. पूंजीगत व्यय** | | | |
| | | | (१) उपस्कर तथा कार्यालय उपादान | १,७०७ | ३,८६० | |
| | | ३४,१६,७१८ | | | | |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पिछला शेष | | ३४,१६,१८ | (२) पुस्तकें (प्रलेखन केन्द्र) | — | ३८,३९१ | |
| | | | | १,७०७ | ४२,२५१ | |
| | | | घटा-पूँजीगत लेखों पर (पुस्तक) | — | १६ | |
| | | | कुल | १,७०७ | ४२,२३५ | ४३,९४२ |
| | | | **ऋण, जमा तथा पेशगियाँ** | | | |
| | | | १. अध्यक्ष के निवास स्थान (पूना) पर टेलीफोन के लिए जमा-राशि | ५,००० | — | ५,००० |
| | | | २. अन्य पेशगियाँ | | | |
| | | | (क) अध्यक्ष कार्यालय के लिए पेशगी | ६,००० | — | ६,००० |
| | | | ३. आकस्मिक पेशगियाँ | | | |
| | | ३४,१६,७१८ | (क) मैसर्ज डी.ए.बी.पी को पेशगियाँ | — | ६,५०० | |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पिछला शेष | | ३४,१६,७१८ | (ख) प्रलेखन केन्द्र को पेशगी | — | १३८ | |
| | | | | | ६,६३८ | ६,६३८ |
| | | | ४. परिषद के कर्मचारियों को पेशगियाँ | | | |
| | | | (क) प्रतिनियुक्ति पर आए व्यक्तियों को छुट्टी वेतन पेशगी | ४,०२६ | ४,०७८ | |
| | | | (ख) त्यौहार पेशगियाँ | ३,६०० | ६,७०० | |
| | | | (ग) समुद्री तूफान/बाढ़ पीड़ित क्षेत्रों के सदस्यों को पेशगियाँ | ४,००० | १३,५०० | |
| | | ३४,१६,७१८ | | ११,६२६ | २७,२७८ | ३८,६०४ |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पिछला शेष | | ३४,१६,७१८ | ८. वर्ष १९७७-७८ में व्यय न किए गए अनुदान की वापसी | १,३८७ | २,०९,६२० | २,११,००७ |
| | | | ९. संशय लेखा | — | ४,०११ | ४,०११ |
| | | | कुल योग | ५,९४,००४ | २०,२५,६४६ | २६,१९,६५० |
| | | | **परिषद को सौंपी गई विशेष परियोजनाएँ** | | | |
| | | | क. प्रमुख पुस्तकों को प्रस्तुति (अनुवाद परि-योजना) | | | |
| | | | **१. क्षेत्रीय भाषाओं में पुस्तकों का अनुवाद** | | | |
| | | | (१) वेतन और भत्ते मुख्यालय और विभिन्न एकक | १,६५,८३४ | | |
| | | ३४,१६,७१८ | | | | |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पिछला शेष | | ३४,१६,७१८ | (२) चिकित्सा व्यय | ४,४२३ | | |
| | | | (३) अधिकारियों कर्म-चारियों व समीतियो के यात्रा भत्ते | ६,३६४ | | |
| | | | (४) अवकाश वेतन तथा पेंशन अंशदान | ३,८४७ | | |
| | | | (५) अंशदाय भविष्य निधि में नियोजक का अंश | ४,२५३ | | |
| | | | (६) विविध आकस्मिक | ४,०९३ | | |
| | | | योग | १,८८,८१४ | | |
| | | | २. अनुवाद के लिए अदा किया गया पारिश्रमिक | | | |
| | | ३४,१६,७१८ | (१) अनुवादकों को देय | ७४,१७२ | | |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पिछला शेष | | ३४,१६,७१८ | (२) पुनरीक्षकों को अदा किए गए व्यय | २५,४९८ | | |
| | | | | ६६,६७० | | |
| | | | (३) मुद्रण व्यय | ६,५८७ | | |
| | | | (४) पूंजीगत व्यय पुस्तकें | | | |
| | | | (५) ऋध जमा तथा पेशगियाँ | — | | |
| | | | (i) पेशगियाँ अनुवाद एकक | १४,४२८ | | |
| | | | (ii) प्रतिनियुक्ति पर आए व्यक्तियों को छुट्टी वेतन की पेशगी | १,७०६ | | |
| | | ३४,१६,७१८ | योग अनुवाद परियोजना | १६,१३७ | ३,१४,२०८ | |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पिछला शेष | | ३४,१६,७१८ | ख. **भारतीय संस्कृति पर स्तोत्र ग्रंथ** | | | |
| | | | (१) अधिकारियों तथा कर्मचारियों के वेतन भत्ते | — | | |
| | | | (२) अधिकारियों तथा कर्मचारियों के यात्रा-भत्ते | २,३८४ | | |
| | | | (३) विविध आकस्मिक | २,१३८ | ४,५२२ | |
| | | | ग. **स्वतंत्रता की ओर** | | | |
| | | | (१) अधिकारियों तथा कर्मचारियों के वेतन-भत्ते | २,०८,६१६ | | |
| | | | (२) चिकित्सा व्यय | ३,८७३ | | |
| | | | (३) अधिकारियों तथा कर्मचारियों के यात्रा-भत्ते | २१,१७१ | | |
| | | ३४,१६,७१८ | | | | |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पिछला शेष | | ३४,१६,७१८ | (४) अवकाश वेतन तथा पेंशन अंश-दान | १,१५६ | | |
| | | | (५) अंशदायी भविष्य निधि में नियोजक का अंश | १०,७३३ | | |
| | | | (६) भवन का किराया | ३६,६१८ | | |
| | | | (७) विविध आकस्मिक | ३५,१८६ | | |
| | | | | ३,१७,६५६ | | |
| | | | २. पूंजीगत व्यय | | | |
| | | | (१) उपस्कर तथा कार्यालय उपादान | — | | |
| | | ३४१६७१८ | (२) पुस्तकें | ५६० | | |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| पिछला शेष | | ३४,१६,७१८ | ३. **ऋण जमा तथा पेशगियाँ** | | | |
| | | | प्रतिनियुक्ति पर आए व्यक्तियों को छुट्टी वेतन की पेशगी | १,०७७ | | |
| | | | योग | | ३-१६,२९६ | |
| | | | घ. **प्रजा मण्डल** | | | |
| | | | (१) अधिकारियों तथा कर्मचारियों के वेतन-भत्ते | ३६,७७६ | | |
| | | | (२) चिकित्सा व्यय | २१० | | |
| | | | (३) अधिकारियों तथा कर्मचारियों के यात्रा-भत्ते | ५९८ | | |
| | | | (४) विविध आकस्मिक | २,५३८ | | |
| | | ३४,१६,७८ | योग | | ४०,१२२ | |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पिछला शेष | | ३४,१६,७१८ | (ङ) बम्बई अभिलेखागार में अभिलेख | ६,०६७ | ६,०६७ | |
| | | | (च) मध्य एशिया की सभ्यता का अध्ययन | १०,६१४ | १०,६१४ | |
| | | | योग विशेष परियोजनाएँ | | ६,६४,८२६ | |
| | | | अन्तिम बकाया | | | |
| | | | रोकड़ (हाथ में) | ५,५०१ | | |
| | | | रोकड़ (बैंक में) | ९६,७३८ | १,०२,२३९ | |
| | | ३४,१६,७१८ | | | ३४,१६,७१८ | |

ह० ओ० पी० बतरा
२८.६.७९
अधीक्षक (लेखा)

ह० अवतार सिंह
२८.६.७९
प्रशासन एवं लेखाधिकारी

ह० बी०आर० ग्रोवर
२८.६.७९
निदेशक

## ३१ मार्च १९७९ को समाप्त होने वाले वर्ष का आय-व्यय विवरण

| व्यय शीर्ष | राशि | राशि | राशि | आय शीर्ष | राशि | राशि | राशि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ |
| | योजनेतर | योजनागत | | वर्ष के दौरान प्राप्त अनु- | | | |
| प्रशासन | २,०७,१८५ | १,६७,८१२ | ३,७४,९९७ | दान | ३०,४३,९३९ | | |
| अकादमिक | १,५५,०८७ | १,५९,९९९ | ३,१५,०८६ | घटा पूंजी धन में | | | |
| प्रलेखन केन्द्र | — | १,०३,९२४ | १,०३,९२४ | परिवर्तन | ४४,५०१ | २९,९९,४३८ | |
| प्रकाशन | — | १,३३,५३२ | १,३३,५३२ | पुस्तकों की बिक्री तथा | | | |
| अन्य व्यय | ६७,५११ | ८,५८८ | ७६,०९९ | रायल्टी आयोजनागत | ३४,६६२ | | |
| कार्यालय के खर्चे | १,३८,५०१ | १,२४,८११ | २,६३,३१२ | अनुवाद परियोजना | १६,५१५ | ५१,१७७ | |
| राज्य विधान मंडल एकक | — | ३,३६४ | ३,३६४ | केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य | | १७५ | |
| मध्य एशिया की सभ्यता | | | | योजना | | | |
| का अध्ययन | — | ९,३९६ | ९,३९६ | विविध प्राप्तियाँ : | | | |
| सहायता अनुदान कार्यक्रम | — | ६,३५,१३२ | ६,३५,१३२ | आयोजनेतर | २३१ | | |
| परिसम्वाद, गोष्ठियाँ व | | | | आयोजनागत | २३,३३० | | |
| सम्मेलन | — | ८९,३०६ | ८९,३०६ | अनुवाद परियोजना | ३०० | | |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ष १९७७–७८ में व्यय न किये गये अनुदान की वापसी | १,३८७ | २,०९,६२० | २,११,००७ | स्वतंत्रता की ओर | १,३७१ | २५,२३२ | |
| | | | | आय के मुकाबले अति–रिक्त व्यय | | १,०५,५७४ | |
| विशेष परियोजनाएँ | | | | | | | |
| (i) अनुवाद परि-योजनाएँ | २,९८,०७१ | | | | | | |
| (ii) भारतीय संस्कृति पर स्रोत ग्रंथ | ४,५२२ | | | | | | |
| (iii) स्वतंत्रता की ओर | ३,१७,६५९ | | | | | | |
| प्रजा मण्डल | ४०,१२२ | | | | | | |
| बम्बई अभिलेखा-गार में अभिलेख | ६,०६७ | ६,६६,४४१ | | | | | |
| | | ३१,८१,५९६ | | | | ३१,८१,५९६ | |

ह० ओ० पी० बतरा
२८.६.७९
अधीक्षक (लेखा)

ह० अवतार सिंह
२८.६.७९
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

ह०—बी०आर०ग्रोवर
२८.६.७९
निदेशक

## भारतीय इतिहास अनुसन्धान परिषद्

### ३१ मार्च, १९७९ को समाप्त होने वाले वर्ष का देयता तथा परिसंपत्ति का विवरण

| देयता | राशि | राशि | परिसंपत्ति | राशि | राशि |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ |
| **१. पूंजीकृत अनुदान** | | | **पूंजीगत व्यय** | | |
| १९७७–७८ के अन्त तक | ११,३१,४३९ | | **१. स्टाफ कार** | | |
| १९७८-७९ के दौरान | ४४,५०१ | ११,७५,९४० | १९७७-७८ के अंत तक | २३,२४० | |
| **२. निर्वत्य** | | | १९७८-७९ के दौरान | कुछ नहीं | २३,२४० |
| (i) अवितरित वेतन तथा भत्ते | २,५६७ | | २. उपस्कर तथा कार्यालय उपादान | | |
| (ii) अन्य कार्यालयों/विभागों को प्रेषण हेतु कटौतियां | ९४८ | | | | |
| (iii) अंशदायी निधि का प्रेषण | २६ | ३,५४१ | १९७७-७८ के अंत तक | ४,५८,२०७ | |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **३. अंशदायी भविष्य निधि** | | | १९७८-७९ के दौरान | | | |
| १९७७-७८ के अन्त का | | | (क) परिषद ५,५६७ | | | |
| शेष | १,१६,५४५ | | (ख) विशेष परियोजना | ५,५६७ | ४,६३,७७४ | |
| १९७८-७९ का जोड़ | १,३२,०६३ | | ३. पुस्तकें | | | |
| | २,४८,६०८ | | १९७७-७८ के अंत | | | |
| | | | तक | ६,४६,९९२ | | |
| घटा—वर्ष के दौरान | | | १९७८-७९ क | | | |
| निकाली गई राशि | १३,६२९ | | दौरान | | | |
| शेष | | १,३४,९७९ | (क) परिषद् ३८,३७५ | | | |
| **व्यय के मुकाबले अतिरिक्त** | | | (ख) विशेष | | | |
| **आय** | | | परियोजना ५५९ | ३८,९३४ | ६,८८,९२६ | |
| वर्ष १९७७-७८ के अन्त | | | **ऋण जमा तथा पेशगियां** | | | |
| का शेष | २,७०,३५९ | | १. **अंशदायी भविष्य निधि** | | | |
| घटा-आय के मुकाबले | | | (क) राष्ट्रीय बचत प्रमाण | | | |
| अतिरिक्त व्यय—वर्ष | | | पत्रों में लगाया | | | |
| | | | गया धन | | | |
| १९७८-७९ | १,०५,५७४ | १,६४,७८५ | १९७७-७८ के अन्त | | | |
| | | १५,७९,२४५ | तक | ५०,००० | | |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पिछला योग | | १५,७६,२४५ | १९७८-७९ के दौरान | १,००,००० | | |
| | | | (ख) रोकड़ (बैंक में) | ८४,९७९ | २,३४,९७९ | |
| | | | २, अध्यक्ष के निवास (पूना) पर टेली-फोन हेतु जमा राशि | | ५,००० | |
| | | | ३. **परिषद कर्मचारियों को पेशगियाँ** | | | |
| | | | (क) **अग्रिम अवकाश वेतन** | | | |
| | | | १९७७-७८ के अन्त तक का शेष | ५,८९६ | | |
| | | | वर्ष १८७८-७९ के दौरान | १०,८९० | | |
| | | १५,७६,२४५ | | १६,७८६ | | |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पिछला शेष | | १५,७६,२४५ | घटा : वर्ष १६७८-७६ के दौरान समायोजन | ५,१०५ | | |
| | | | शेष | | ११,६८१ | |
| | | | (ख) त्यौहार पेशगियाँ | | | |
| | | | वर्ष १६७७-७८ के अन्त तक | ३,४८० | | |
| | | | वर्ष १६७८-७६ के दौरान | १३,३०० | | |
| | | | | १६,७८० | | |
| | | | घटा : समायोजन १६७८-७६ के दौरान | ७,७६० | | |
| | | | शेष | | ६,०२० | |
| | | | (ग) समुद्री तूफान/बाढ़ पीड़ितों को पेशगियाँ | | | |
| | | | वर्ष १६७७-७८ के अंत तक | १,३७५ | | |
| | | | वर्ष १६७८-७६ के दौरान | १७,५०० | | |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पिछला शेष | | १५,७६,२४५ | वर्ष १९७८७९ का समा-<br>योजन घटाकर | २,५२५ | | |
| | | | शेष | | १६,३५० | |
| | | | ४. **अन्य पेशगियां** | | | |
| | | | (क) अध्यक्ष का कार्यालय<br>१९७७-७८ के अंत<br>तक | कुछ नहीं | | |
| | | | १९७८-७९ के<br>दौरान | ६,००० | ६,००० | |
| | | | (ख) **भारतीय संस्कृति पर स्रोत ग्रंथ** | | | |
| | | | १९७७-७८ के अन्त तक | २५० | | |
| | | | १९७८-७९ के दौरान | — | | |
| | | | घटा—१९७८-७९ का<br>समायोजन | २५० | | |
| | | १५,७६,२४५ | शेष | | कुछ नहीं | |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पिछला शेष | | १५,७६,२४५ | (ग) अनुवाद परियोजना | | | |
| | | | १९७७-७८ के अन्त | | | |
| | | | तक | ३४,१६१ | | |
| | | | १९७८-७९ के दौरान | १४,४२८ | | |
| | | | | ४८,६१९ | | |
| | | | घटा—वर्ष १९७८-७९ | | | |
| | | | का समायोजन | ३९,९४९ | ८,६७० | |
| | | | ५, आकस्मिक पेशगियाँ | | | |
| | | | (क) मैसर्स डी०ए०वी०पी० | | | |
| | | | को पेशगियाँ | | | |
| | | | १९७७-७८ के अन्त | | | |
| | | | तक शेष | २,१०६ | | |
| | | | १९७८-७९ के दौरान | ६,५०० | | |
| | | | | ८,६०६ | | |
| | | | घटा—वर्ष १९७८-७९ | | | |
| | | | का समायोजन | ३,८५१ | | |
| | १५,७९,२४५ | | शेष | | ४,७५५ | |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पिछला शेष | | १५,७६,२४५ | (ख) मैसर्स के०पी० बागची को पेशगी | | | |
| | | | १६७७-७८ के अन्त तक का शेष | १२,७७५ | | |
| | | | १६७८-७६ के दौरान घटा—१६७८-७६ के दौरान समायोजन | ८,३०२ | | |
| | | | शेष | | ४,४७३ | |
| | | | (ग) प्रलेखन केन्द्रों को पेशगियाँ | | १३८ | |
| | | | अंतिम रोकड़ बाकी | | | |
| | | | रोकड़ (हाथ में) | ५,५०१ | | |
| | | | रोकड़ (बैंक में) | ६६,७३८ | १,०२,२३६ | |
| | | १५,७६,२४५ | | | १५,७६,२४५ | |

| | | |
|---|---|---|
| ह०-ओ०पी० बतरा | ह० अवतार सिंह | ह० बी०आर० ग्रोवर |
| २८.६.७६ | २८.६.७६ | २८-६-७६ |
| अधीक्षक (लेखा) | प्रशासन एवं लेखा अधिकारी | निदेशक |

## १९७८-७९ वित्त वर्ष के लिए भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् के भविष्य निधि लेखा का विवरण

| ब्यौरा | अधिदाताओं से वसूल किया गया अंशदान तथा पेशगी की वापसी | अंशदायी भविष्य निधि में आंकलित अनिवार्य जमा/मंहगाई भत्ता | परिषद् के अंशदान | अंशदायी भविष्य निधि पर ब्याज | बैंक द्वारा दिया गया ब्याज | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|
| १-४-१९७८ को प्रारंभिक रोकड़ | ४९,९५७ | ९,९८३ | ४९,६२३ | ६,९८२ | — | ११,६,५४५ |
| वर्ष के दौरान जमा | ७०,९८० | ३,६९३ | ४२,७४० | ११,३४३ | ३,३०७ | १,३२,०६३ |
| | | | | | | २,४८,६०८ |
| घटा : वर्ष के दौरान दिया गया | | | | | | |
| वर्ष के दौरान निकाली गई राशि | १३,६२९ | — | — | — | — | १३,६२९ |
| अन्तिक शेष | १,०७,३०८ | १३,६७६ | ९२,३६३ | १८,१२५ | ३,३०७ | २,३४,९७९ |

ह० ओ०पी० बतरा
२८-६-७९
अधीक्षक लेखा

ह०-अवतार सिंह
२८-६-७९
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

ह०-बी०आर० ग्रोवर
२८-६-७९
निर्देशक

## कच्चा लेखा

### परिषद केन्द्रीय कार्यक्रम १९७८-७९

| प्राप्तियां शीर्ष | राशि | राशि |
|---|---|---|
| १. १.४.७८ को आरंभिक रोकड़ | १,३८७ | |
| २. भारत सरकार से प्राप्त अनुदान | ५,८६,००० | ५,८७,३८७ |
| ३. अन्य प्राप्तियाँ | | |
| (क) के० स्व० योजना | १७५ | |
| (ख) विविध प्राप्तियाँ | २३१ | ४०६ |
| ४. पेशगियों का समायोजन | | |
| (क) प्रतिनियुक्ति पर आए व्यक्तियों को छुट्टी वेतन की पेशगी | ३,६१० | |
| त्यौहार पेशगी | २,२८० | |
| (ग) समुद्री तूफान/बाढ़ पेशगी | ५,७५ | ६,४६५ |
| | | ५,९४,२५८ |

| अदायगी शीर्ष | राशि | राशि |
|---|---|---|
| | आयोजनेतर | |
| १. प्रशासन | | २,०७,१८५ |
| २. अकादमिक कार्यक्रम | | १,५५,०८७ |
| ३. अन्य खर्च | | ६७,५११ |
| ४. कार्यालय व्यय | | |
| (क) विविध आकस्मिक | ५५,७८० | |
| (ख) भवन का किराया | ८२,७२१ | १,३८,५०१ |
| ५. पूंजीगत व्यय | | |
| उपस्कार तथा कार्यालय के उपादान | | १,७०७ |
| ६. वर्ष १९७७-७८ के दौरान व्यय न किए गए अनुदान की वापसी | | १,३८७ |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पिछला योग | | ५,६४,२५८ | | ७. ऋण जमा तथा पेशगियाँ | | |
| | | | | (क) अध्यक्ष के निवास स्थान (पूना) पर टेलीफोन के लिए जमा राशि | ५,००० | |
| | | | | (ख) अध्यक्ष कार्यालय के लिए | ६,००० | |
| | | | | (ग) प्रतिनियुक्ति पर आए व्यक्तियों को छुट्टी वेतन की पेशगी | ४,०२६ | |
| | | | | (घ) त्यौहार पेशगियाँ | ३,६०० | |
| | | | | (ङ) समुद्री तूफान/बाढ़ पेशगियाँ | ४,००० | २२,६२६ |
| | | | | अन्तिम रोकड़ (बाकी) | | २५४ |
| | | ५,६४,२५८ | | | | ५,६४,२५८ |

## वर्ष १६७८-७६ में परिषद् के प्रमुख कार्यक्रमों का कच्चा लेखा

| | | | आयोजनागत परियोजनाएं | | |
|---|---|---|---|---|---|
| प्राप्तियां शीर्ष | राशि | राशि | अदायगियां शीर्ष | राशि | राशि |
| १. १.४.७८ को प्रारंभिक | | | १. प्रशासन | | १,६७,८१२ |
| रोकड़ | २,०६,६२० | | २. अकादमिक | | १,५६,६६६ |
| २. १६७८-७६ के दौरान | | | ३. प्रलेखन केन्द्र | | १,०३,६२४ |
| भारत सरकार से प्राप्त | | | ४. परिषद के प्रकाशन | | |
| अनुदान | २०,००,००० | २२,०६,६२० | (क) प्रकाशन एकक | ८६,१६५ | |
| **३. अन्य प्राप्तियां** | | | (ख) परिषद के प्रकाशन | ४४,३६७ | १,३३,५३२ |
| (१) पुस्तकों की बिक्री व | | | ५. अन्य व्यय | | |
| रायल्टी | ३४,६६२ | | ६. कार्यालय व्यय | | ८ ५८८ |
| (२) विविध प्राप्तियाँ | ३३,६४४ | ६८,६०६ | (क) विविध आकस्मिक | ७३,७८८ | |
| **४. पेशगियों का समायोजन** | | | (ख) भवन का किराया | ५१,०२३ | १,२४,८११ |
| (क) कर्मचारियों की पेशगियाँ | | | ७. राज्य विधान मंडल एकक | | ३,३६४ |
| (१) त्यौहार पेशगियाँ | ५,४८० | | ८. मध्य एशिया की सभ्यता का | | |
| (२) समुद्री तूफान/बाढ़ | | | अध्ययन | | ६,३६६ |
| पेशगियाँ | १,६५० | ७४,३० | ६. सहायता अनुदान कार्यक्रम | | ६,३५,१३२ |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (ख) **विविध आकस्मिक पेशगियाँ** मेसर्ज डी.ए.वी.पी. को पेशगियाँ | ३,८५१ | ३,८५१ | १०. परिसंवाद, गोष्ठियाँ तथा सम्मेलन | | | ८६,३०६ |
| | | | ११. **पूंजीगत व्यय** | | | |
| ५. संशय लेखा | | २,०१७ | (क) उपस्कर तथा कार्यालय उपादान | | ३,८६० | |
| | | २२,६१,५२४ | (ख) पुस्तकें (प्रलेखन केन्द्र) | | ३८,३६१ | |
| | | | | | ४२,२५१ | |
| | | | घटा : पूंजीगत राशि की वापसी | | १६ | |
| | | | कुल | | | ४२,२३५ |
| | | | १२. वर्ष १९७७-७८ के दौरान व्यय न किए गए अनुदान की वापसी | | | २,०९,६२० |
| | | | १३. **ऋण जमा तथा पेशगियाँ** | | | |
| | | | (क) कर्मचारियों को पेशगियाँ | | | |
| | | २२,६१५२४ | (१) प्रतिनियुक्ति पर आए व्यक्तियों को छुट्टी वेतन की अदायगी | | ४,०७८ | |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पिछला शेष | | २२,६१,५२४ | (२) त्यौहार पेशगियाँ | | ६,००० | |
| | | | (३) समुद्री तूफान बाढ़ पेशगियां | | १३,५००० | २७,२७८ |
| | | | (ख) आकस्मिक पेशगियाँ | | | |
| | | | (१) प्रलेखन को पेशगियां | | १३८ | |
| | | | (२) मैसर्ज़ डी०ए०वी०पी० को पेशगियां | | ६,५०० | ६,६३८ |
| | | | १४. संशय लेखा | | | ४,०११ |
| | | | १५. अंतिम रोकड़ (बाकी) | | | २,६५,८७८ |
| | | २२,६१,५२४ | | | | २२,६१,५२४ |

ह० ओ०पी० बतरा
२८.६.७९
अधीक्षक लेखा

ह० अवतार सिंह
२८.६.७९
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

ह० बी०आर०ग्रोवर
२८.६.७९
निदेशक

## १९७८-७९ का कच्चा-लेखा

### प्रमुख पुस्तक कार्यक्रम (अनुवाद परियोजना) के अधीन प्रमुख पुस्तकों की प्रस्तुति

| प्राप्तियां | राशि | राशि | अदायगियाँ | राशि | राशि |
|---|---|---|---|---|---|
| (अ) १. वर्ष १९७८-७९ के दौरान भारत सरकार से प्राप्त अनुदान | १,०४,००० | | (अ) क्षेत्रीय भाषाओं में पुस्तकों का अनुवाद | | |
| २. विविध प्राप्तियाँ | ३०० | | (१) अधिकारियों तथा कर्मचारियों के वेतन-भत्ते (हैडक्वार्टर व यूनिट) | १,७०,२५७ | |
| ३. पुस्तकों की बिक्री व रायल्टी | १६,५१५ | १,२०,८१५ | (२) अधिकारियों, कर्मचारियों तथा कमेटियों के यात्रा-भत्ते | ६,३६४ | |
| (ब) **पेशगियों का समायोजन** | | | | | |
| १. एककों की पेशगियाँ | ३९,९४९ | | | | |
| २. मैसर्स के०पी० बागची को पेशगियां | ८,३०२ | ४८,२५१ | (३) अंशदायी भविष्य निधि में नियोजक का अंश | ४,२५३ | |
| आय के मुकाबले अतिरिक्त व्यय | | २,४७,७०७ | (४) अवकाश वेतन तथा पेंशन अंशदान | ३,८४७ | |
| | | ४,१६,७७३ | (५) आकस्मिक व्यय | ४,०९३ | १,८८,८१४ |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ |
|---|---|---|---|---|---|
| पिछला शेष | | ४,१६,७७३ | (ब) अदा किया गया पारिश्रमिक | | |
| | | | (१) अनुवादकों को अदा किया | ७४,१७२ | |
| | | | (२) पुनरीक्षकों को अदा किया | २५,४९८ | ९९,६७० |
| | | | प्रकाशन व्यय | | ९,५८७ |
| | | | (स) पेशगियाँ | | |
| | | | (१) एककों की पेशगियां (अनुवाद परियोजना) | १४,४२८ | |
| | | | (२) प्रतिनियुक्ति पर आए व्यक्तियों को छुट्टी वेतन की पेशगी | १,७०९ | १६,१३७ |
| | | | वर्ष १९७७-७८ के दौरान आय के मुकाबले अतिरिक्त व्यय | | १,०२,५६५ |
| | | ४,१६,७७३ | | | ४,१६,७७३ |

ह० ओ० पी० बतरा
२८.६.७९
अधीक्षक (लेखा)

ह० अवतार सिंह
२८.६.७९
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

ह० बी० आर० ग्रोवर
२८.६.७९
निदेशक

## १६७८-७६ का कच्चा लेखा

### स्वतंत्रता की ओर

| प्राप्तियां | राशि | राशि | अदायगियां | राशि | राशि |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्ष १६७८-७६ के दौरान भारत सरकार से प्राप्त अनुदान | ३,५३,६३६ | | अ. १. अधिकारियों तथा कर्मचारियों के वेतन–भत्ते | २,१२,७६२ | |
| विविध प्राप्तियाँ | १,३७२ | ३,५५,३११ | २. अधिकारियों और कर्म-चारियों के यात्रा–भत्ते | २१,१७१ | |
| पेशगियाँ: प्रतिनियुक्ति पर आए व्यक्तियों को छुट्टी वेतन की पेशगी। | | १,४६५ | ३. अवकाश वेतन तथा पेंशन अंशदान | १,१५६ | |
| | | ३,५६,८०६ | ४. अंशदायी भविष्य निधि में नियोजक का अंश | १०,७३३ | |
| | | | ५. भवन का किराया | ३६,६१८ | |
| | | | ६. विविध आकस्मिक | ३५,१८६ | ३,१७,६५६ |

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पिछला योग | | ३,५६,८०७ | ब. पूंजीगत व्यय | | | |
| | | | पुस्तकें | | | ५६० |
| | | | स. पेशगियाँ | | | |
| | | | प्रतिनियुक्ति पर आए व्यक्तियों को छुट्टी वेतन की पेशगी | | | १,०७७ |
| | | | १९७७-७८ के दौरान आय के मुकाबले अधिक व्यय | | | २५,८२५ |
| | | | | अन्तिम शेष | | ११,६८५ |
| | | ३,५६,८०६ | | | | ३,५६,८०६ |

ह० ओ० पी० बतरा
२८.६.७९
अधीक्षक (लेखा)

ह० अवतार सिंह
२८.६.७९
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

ह० बी०आर० ग्रोवर
२८.६.७९
निदेशक

## १९७८-७९ का कच्चा लेखा

## प्रजा मण्डल परियोजना

| प्राप्तियाँ | राशि | राशि | अदायगियाँ | राशि | राशि |
|---|---|---|---|---|---|
| आरम्भिक रोकड़ १-४-१९७८ | | ६,७४४ | १. अधिकारी तथा कर्मचारियों के वेतन भत्ते | | ३६,९८६ |
| वर्ष १९७८–७९ के दौरान भारत सरकार से प्राप्त | | — | २. कर्मचारियों के यात्रा-भत्ते | | ५९८ |
| आय के मुकाबले अतिरिक्त व्यय | | ३०,३७८ | ३. विविध आकस्मिक | | २,५३८ |
| | | ४०,१२२ | | | ४०,१२२ |

ह० ओ०पी०बतरा
२८.६.७९
अधीक्षक (लेखा)

ह० अवतार सिंह
२८.६.७९
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

ह० बी०आर०ग्रोवर
२८.६.७९
निदेशक

## १९७८-७९ का कच्चा लेखा

## भारतीय संस्कृति पर स्रोत ग्रन्थ

| प्राप्तियाँ | राशि | राशि | अदायगियाँ | राशि | राशि |
|---|---|---|---|---|---|
| १. १.४.७८ को आरम्भिक रोकड़ | १,०६,५९८ | | १. अधिकारियों तथा कर्मचारियों के वेतन, भत्ते | — | |
| २. १९७८-७९ के दौरान भारत सरकार से प्राप्त अनुदान | — | | २. अधिकारियों तथा कर्मचारियों के यात्रा-भत्ते | २,३८४ | |
| ३. विविध प्राप्तियां | १३२ | १,०६,७३० | ३. विविध-आकस्मिक | २,१३८ | ४,५२२ |
| ४. आकस्मिक पेशगियों का समायोजन | | ११८ | अंतिम शेष | | १,०२,३२६ |
| | | १,०६,८४८ | | | १,०६,८४८ |

ह० ओ०पी०बतरा
२८.६.७९
अधीक्षक (लेखा)

ह० अवतार सिंह
२८.६.७९
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

ह० बी०आर०ग्रोवर
२८.६.७९
निदेशक

## १९७८-१९७९ का कच्चा लेखा

### मध्य एशिया की सभ्यता का अध्ययन

| प्राप्तियाँ | राशि | अदायगियां | राशि | राशि |
|---|---|---|---|---|
| १.४.१९७८ को प्रारम्भिक रोकड़ | १०,७९५ | मध्य एशिया में विचारों तथा दर्शन का इतिहास | | १०,६१४ |
| १९७८-७९ के दौरान भारत सरकार से प्राप्त अनुदान | — | अन्तिम शेष | | १८१ |
| | १०,७९५ | | | १०,७९५ |

| | | |
|---|---|---|
| ह० ओ०पी०बतरा | ह० अवतार सिंह | ह० बी०आर० ग्रोवर |
| २८.६.७९ | २८.६.७९ | २८.६.७९ |
| अधीक्षक (लेखा) | प्रशासन एवं लेखा अधिकारी | निदेशक |

टिप्पणी : १०६१४ रु० का खर्च वस्तुतः वित्तीय वर्ष १९७७-७८ के दौरान किया गया था किन्तु यूनिट द्वारा गलत वर्गीकरण के कारण इसे योजनागत-सहायक अनुदान के अन्तर्गत गलती से डाल दिया गया। लेखा में आवश्यक सुधार १९७८-७९ में किया गया।

## १९७८-७९ का कच्चा लेखा

## बम्बई अभिलेखागार में अभिलेख

| प्राप्तियाँ | राशि | अदायगियां | राशि |
|---|---|---|---|
| १.४.१९७८ को प्रारम्भिक रोकड़ | ६,०६७ | बम्बई अभिलेखागार बम्बई अभिलेखागार में अभिलेख | ६,०६७ |
| १९७८-७९ के दौरान भारत सरकार से प्राप्त अनुदान | — | अन्तिम शेष | -- |
| | ६,०६७ | | ६,०६७ |

| | | |
|---|---|---|
| ह० ओ०पी०बतरा | ह० अवतार सिंह | ह० बी०आर०ग्रोवर |
| २८.६.७९ | २८.६.७९ | २८.६.७९ |
| अधीक्षक (लेखा) | प्रशासन एवं लेखा अधिकारी | निदेशक |